महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 332 | उज्जैन, गुरुवार 14 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

बहुत सी 'जरूरतें' 'वास्तविक' नहीं होती है वे केवल 'दूसरों' से 'तुलना' के कारण 'महसूस' होती है

माता और बहनों का सम्मान सर्वोपरि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

लाड़ली बहना योजना महिलाओं को बना रही आर्थिक रूप से सशक्त

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार के लिये माताओं और बहनों का सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना मातृ शक्ति के कल्याण के लिये प्रदेश शासन द्वारा संचालित सबसे बड़ी योजनाओं में से एक है। आज यहाँ पर रक्षाबंधन, भाईदूज और दीवाली सहित सभी त्यौहार एक साथ मनाने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर जिले के ग्राम मुंगवानी में आयोजित मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 36वीं किस्त के राशि अन्तरण और हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश की 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1835 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 296 करोड़ रुपये लागत के 40 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं को आर्थिक संबल देने के साथ ही उन्हें सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अब तक योजना में 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित की जा चुकी है।

रानी दुर्गावती के पराक्रम के सम्मान में जबलपुर व सिंग्रामपुर में हुई कैबिनेट बैठकें- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान नरसिंह की यह भूमि रानी दुर्गावती के पराक्रम की साक्षी है। रानी दुर्गावती के सम्मान में प्रदेश सरकार द्वारा जबलपुर और सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक आयोजित की है। वहीं आदिवासी शहीद भभूत सिंह के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान के सम्मान में भी विशेष कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। वर्तमान में प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 6 पर महिला सांसद हैं, जबकि 27 महिला विधायक एवं 5 महिला मंत्री कार्यरत हैं।

कम्प्यूटर एवं सुरक्षा के क्षेत्र में महिलाएं आ रहीं हैं आगे- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से बेटियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि कम्प्यूटर और सुरक्षा के क्षेत्र में भी महिलाएं आगे आ रही है। पुलिस विभाग में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि 4 लाख से अधिक महिलाएँ स्वरोजगार से जुड़ी हैं। रेडीमेड कपड़ा उद्योग एवं कारखानों में कार्य करने वाली महिलाओं को 5000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। साथ ही 34 लाख महिला कृषकों को दुग्ध उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि 25 गाय या भैंस का पालन करने वाले पशुपालकों को सरकार द्वारा 10 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नरसिंहपुर जिला गन्ने की खेती के लिए प्रसिद्ध है और यह शक्कर का कटोरा है। इससे यहां के 20 हजार से अधिक परिवारों को रोजगार मिल रहा है। गाडरवारा की तुअर दाल प्रदेश ही नहीं देश में भी अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। नरसिंहपुर जिला सोयाबीन और गेहूं के उत्पादन में भी अग्रणी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गेहूं, चना, सरसों, मसूर एवं उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित कर रही है। उड़द पर 600 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस भी दिया जाएगा। मध्यप्रदेश देश का सबसे अधिक गेहूं खरीदी करने वाला राज्य है। किसानों के हित में 23 मई तक खरीदी की जा रही है। आवश्यकता हुई तो आगे भी खरीदी की अवधि बढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से देश बदल रहा है और इसके साथ ही मध्यप्रदेश में भी तेजी से बदलाव हो रहा है। सिकलसेल, कुपोषण से लड़ने में प्रदेश सरकार सफल हो रही है। लाड़ली लक्ष्मी योजना से 53 लाख बेटियों की जिंदगी में बदलाव आ रहा है। प्रदेश की 80 लाख बेटियों को शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दी जा रही है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना में 55 हजार रुपये की राशि दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री राहत योजना में नरसिंहपुर जिले में बेहतर कार्य हो रहा है। इस योजना में सड़क दुर्घटना में घायलों के उपचार के लिए डेढ़ लाख रुपये तक का सारा खर्च सरकार दे रही है। पहले दुर्घटना के समय घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने के लिए लोग डरते थे, लेकिन अब उन्हें डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि मानवीय पहल कर घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्तियों को सरकार द्वारा 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदाय की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान की चर्चा करते हुए कहा कि जल है, तो जीवन है, जल है तो खेती है और जल है तो समृद्धि है। हमारे धार्मिक अनुष्ठानों में भी जल का विशेष महत्व है। प्रदेश के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण का अभियान चलाया जा रहा है। इसमें आमजन को सहभागी बनना चाहिए। उन्होंने नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव विकासखंड के ग्राम मेख में एक मालगुजार द्वारा 21 एकड़ जमीन तालाब निर्माण के लिए दान किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि यह अनुकरणीय उदाहरण है। परिवार को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरसिंहपुर जिले की ऐतिहासिक धार्मिक एवं पुरातात्विक धरोहरों पर आधारित कलेंडर का विमोचन किया। कलेंडर में बरमान घाट, मृगनाथ तपोवन आश्रम, दादा दूल्हादेव महाराज, नरसिंह मंदिर, चौगान का किला, बरहेटा की पुरातात्विक धरोहर, गरूण मंदिर, बिनेकी टोला के शैल चित्र, मां राजराजेश्वरी त्रिपुरसुंदरी मंदिर, पीतल नगरी चीचली, गुरू गुफा अमोदा शंकर घाट को शामिल किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

NEET Paper 2026 लीक मामले में गुरुग्राम के यश को राजस्थान SOG ने किया गिरफ्तार, कई राज्यों में बेचे प्रश्नपत्र

गुरुग्राम/ जीएनएस। नीट यूजी पेपर लीक मामले में गुरुग्राम कनेक्शन भी सामने आया है। राजस्थान एसओजी टीम ने मंगलवार रात गुरुग्राम के फरुखनगर इलाके में छापेमारी कर बीएएमएस छात्र यश यादव को हिरासत में लिया। एसओजी टीम उसे अपने साथ लेकर राजस्थान चली गई। सूत्रों का दावा है कि यश उस नेटवर्क का हिस्सा है, जिसने नासिक से आए प्रश्नपत्रों को आगे राजस्थान पहुंचाने में मदद की। साथ ही, कई राज्यों में पेपर को सर्कुलेट किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एसओजी की टीम मंगलवार रात करीब दस बजे फरुखनगर के खेड़ा गांव पहुंची। खेड़ा गांव निवासी छात्र से पहले घर पर ही पूछताछ की गई थी। बताया जाता है कि पहले पकड़े गए नेटवर्क के लोगों से यश की भूमिका के बारे में जानकारी मिली थी। यश उत्तरकाशी के मंजीरा देवी आयुर्वेदिक कॉलेज में प्रथम वर्ष का छात्र है। वह पहले सीकर में रहकर कोचिंग भी कर चुका था। इसलिए उसका राजस्थान के जिलों में भी आना-जाना है। राजस्थान पुलिस सूत्रों के अनुसार नासिक से पकड़े गए आरोपित शुभम खैरनार ने यश यादव को 15 लाख रुपये में प्रश्नपत्र बेचा था। शुभम सिहोर के एक विश्वविद्यालय में बीएएमएस थर्ड ईयर का छात्र है। उसकी जान-पहचान यश से पहले से थी। यश ने जयपुर के दो भाइयों दिनेश और मांगीलाल को करीब 30 लाख रुपये में यह गेस पेपर बेचा। यह भी बताया जा रहा है कि यश के माध्यम से ही हरियाणा, उत्तराखंड व राजस्थान के राज्यों में वाट्सएप, टेलीग्राम और निजी संपर्कों के जरिए कई छात्रों तक गेस पेपर पहुंचाया गया। कथित तौर पर यह पेपर उम्मीदवारों को तीन लाख से पांच लाख रुपये तक की कीमतों पर बेचा गया। जयपुर के दोनों भाइयों और एक कंसल्टेंसी सेंटर के संचालक राकेश से पूछताछ में मनी ट्रेल और गुरुग्राम से जुड़ाव का पता चला। पुलिस सूत्रों का दावा है कि इन भाइयों ने यह बात स्वीकार की है कि उन्होंने लीक हुआ प्रश्न पत्र यश यादव से खरीदा था।

लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने LoC पर पहुंच बढ़ाया जवानों का हौसला, कहा- हर चुनौती के लिए तैयार है उत्तरी कमान

राजौरी/ जीएनएस। उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने पुंछ जिले के अग्रिम क्षेत्रों तथा रोमियो फोर्स मुख्यालय का दौरा कर मौजूदा सुरक्षा स्थिति और जारी आतंकवाद विरोधी अभियानों की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने नियंत्रण रेखा से सटे संवेदनशील इलाकों में तैनात सेना एवं सुरक्षा बलों की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उत्तरी कमान प्रमुख को पीर पंजाल पर्वतमाला के विभिन्न क्षेत्रों में चलाए जा रहे सतत डोमिनेशन अभियानों, खुफिया तंत्र की मजबूती तथा विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां आपसी तालमेल के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए हुए हैं ताकि किसी भी आतंकी गतिविधि को समय रहते विफल किया जा सके। दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने राष्ट्रीय राइफल्स की विभिन्न बटालियनों द्वारा गुज्जर-बक्करवाल समुदाय के वार्षिक प्रवास को सुरक्षित और सुचारु बनाने के लिए किए गए सुरक्षा इंतजामों की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि हर वर्ष गर्मियों के मौसम में बड़ी संख्या में गुज्जर-बक्करवाल परिवार अपने मवेशियों के साथ ऊंचाई वाले इलाकों की ओर प्रस्थान करते हैं, जिसके मद्देनजर सेना और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा विशेष सुरक्षा प्रबंध किए जाते हैं। संवेदनशील मार्गों पर अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है और विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा चौकियां भी सक्रिय हैं। उत्तरी कमान प्रमुख ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बनाए रखना सेना की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी एजेंसियां पूरी सतर्कता के साथ कार्य कर रही हैं।

विजय के पक्ष में बागी नेताओं ने किया था वोट, EPS ने CV शनमुगम समेत कई नेताओं को पद से हटाया

नई दिल्ली/ जीएनएस। अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय के पक्ष में वोट देने वाले 24 विधायकों को दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित करने के लिए आज स्पीकर के पास याचिका दाखिल कर दी है। साथ ही नेताओं को सभी बड़े पदों से हटा दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि इन विधायकों ने कल जारी पार्टी व्हिप का उल्लंघन किया, जिसमें उन्हें TVK सरकार के खिलाफ वोट देने का साफ निर्देश दिया गया था।

25 सदस्यों ने किया व्हिप का खुला उल्लंघन- AIADMK के वरिष्ठ नेताओं ने चेन्नई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लगभग 25 सदस्यों ने व्हिप का खुला उल्लंघन किया है, इसलिए वे अपनी विधायकी कुर्सी गंवाने के हकदार हैं। पार्टी ने CV शनमुगम, SP वेलुमणि, C विजयभास्कर समेत अन्य नेताओं को उनके पार्टी पदों से भी हटाने की मांग की है। आज सदन में बहुमत परीक्षण के दौरान विजय की पार्टी के पास 105 विधायक थे।

विजय ने एक सीट छोड़ दी थी, एक स्पीकर थे और एक विधायक की जीत को अदालत में चुनौती दिए जाने के कारण वोटिंग से रोका गया था। इस परीक्षण में विजय को 144 विधायकों का समर्थन प्राप्त हुआ, जबकि 22 ने उनके खिलाफ वोट किया।

हरियाणा निकाय चुनावः भूपेंद्र हुड्डा के गढ़ में खिला BJP का कमल, सांपला से प्रवीण कोच दूसरी बार बने चेयरमैन

रोहतक/ जीएनएस। कांग्रेस से नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के प्रभाव वाले गढ़ी-सांपला-किलोई विधानसभा क्षेत्र में इस बार नगरपालिका चुनाव में भाजपा ने पहली बार चेयरमैन पद पर जीत दर्ज कर राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं।

कारण, कांग्रेस ने अपना कोई प्रत्याशी चुनाव में उतारा ही नहीं और पूरे नगरपालिका चुनाव को खाली छोड़ दिया। इस खाली मैदान का फायदा भाजपा ने बखूबी उठाया।

चुनाव में भाजपा प्रत्याशी प्रवीण कोच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्दलीय उम्मीदवार अंकित ओहलान को 687 मतों से पराजित कर दूसरी बार नगरपालिका चेयरमैन बनने का गौरव हासिल किया।

दोनों प्रत्याशी में दिलचस्प मुकाबला- चेयरमैन पद के लिए मुकाबला बेहद दिलचस्प माना जा रहा था और चुनाव से पहले ही भाजपा प्रत्याशी प्रवीण कोच और निर्दलीय उम्मीदवार अंकित ओहलान के बीच सीधी टक्कर चर्चा का केंद्र बनी हुई थी। मतदान के दिन से लेकर मतगणना के अंतिम दौर तक समर्थकों की नजरें परिणामों पर टिकी रहीं।

अमूल ने बढ़ा दिए दूध के दाम, गुरुवार से लागू होंगे नए रेट

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमूल ने पूरे भारत में दूध के दाम बढ़ा दिए हैं। दूध के दामों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। अमूल दूध पर नए दाम गुरुवार, 14 मई से लागू होंगे।

अमूल की तरफ से दूध को दामों में बढ़ोतरी की वजह भी बताई गई है। अमूल का कहना है कि पैकेजिंग की लागत के बढ़ने से और पशुओं के आहार के महंगा होने के चलते दूध के दाम में इजाफा किया गया है।

कंपनी का कहना है कि किसानों और डेयरी चलाने वालों को नुकसान न सहना पड़े, इसलिए कीमत में इजाफा किया गया है।

दूध की नई कीमतें- अमूल ताजा के एक लीटर दूध की कीमत 59 रुपये हो गई है। ये आधा लीटर दूध का पैकेट जो 30 रुपये में मिलता था, अब 31 रुपये में मिलेगा।

अमूल गाय के दूध का आधा लीटर (500 ml) पैकेट जो 31 रुपये में मिलता था, अब 32 रुपये में मिलेगा।

अमूल भैंस के दूध का आधा लीटर (500ml) पैकेट जो 38 रुपये में मिलता था, अब 39 रुपये में मिलेगा।

अब बस-मेट्रो में दिखेंगे यूपी के मंत्री? PM Modi की अपील के बाद कई सांसद-विधायक के काफिले हुए छोटे

लखनऊ/ जीएनएस। वैश्विक परिस्थितियों और संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद उत्तर प्रदेश सरकार में सादगी अभियान का असर दिखाई देने लगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने तथा मंत्रियों के काफिलों को आधा करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद बुधवार से कई मंत्रियों ने अपनी फ्लीट कम कर दी है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को अपने साथ चलने वाली गाड़ियों की संख्या आधी करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। वहीं, मत्स्य मंत्री डा. संजय निषाद ने भी अपना काफिला घटा दिया है। इसके साथ ही उन्होंने अपने दौरे भी फिलहाल सीमित कर दिए हैं।

पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने अपने साथ चलने वाली चार गाड़ियों में से दो गाड़ियां हटाने का निर्णय लिया है। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डा. अरुण कुमार सक्सेना ने भी अपनी फ्लीट का एक वाहन कम कर दिया है। सरकार के इस कदम को प्रशासनिक सादगी और संसाधनों की बचत से जोड़कर देखा जा रहा है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया है। उन्होंने अधिकतर बैठकें और कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित करने का निर्णय लिया है।

नियम बदलकर नियुक्ति रद नहीं कर सकती बिहार सरकार, हाई कोर्ट से एक्सक्लूसिव शिक्षकों को राहत

नई दिल्ली/ जीएनएस। पटना हाई कोर्ट ने बिहार स्कूल एक्सक्लूसिव टीचर नियुक्ति मामले में राज्य सरकार को बड़ा झटका देते हुए चयनित शिक्षकों को राहत प्रदान की है। न्यायाधीश आलोक कुमार सिन्हा की एकलपीठ ने तीन सौ से अधिक याचिकाकर्ताओं के मामले पर सुनवाई करते हुए सरकार द्वारा नियुक्ति पत्र रद करने की कार्रवाई को अवैध, मनमाना और कानून के विरुद्ध करार दिया।

स्थानीय निकायों में शिक्षकों की नियुक्ति से जुड़ा मामला- अदालत ने सरकार को पूर्व में जारी नियुक्ति पत्र बहाल करने तथा शिक्षकों को मूल रूप से आवंटित जिलों में पदस्थापित करने का निर्देश दिया है। मामला स्थानीय निकायों के तहत नियुक्त शिक्षकों से जुड़ा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरीय अधिवक्ता आशीष गिरि एवं अधिवक्ता सुमित कुमार झा समेत अन्य अधिवक्ताओं ने बताया कि याचिकाकर्ता बिहार पंचायती प्रारंभिक शिक्षक (नियुक्ति एवं सेवा शर्तें) नियमावली, 2012 के अंतर्गत नियुक्त शिक्षक हैं।

वर्ष 2023 में राज्य सरकार ने बिहार स्कूल एक्सक्लूसिव शिक्षक नियमावली, 2023 लागू की, जिसका उद्देश्य स्थानीय निकाय शिक्षकों को राज्य स्तरीय सेवा शर्तों के अनुरूप लाना था। नए नियमों के तहत एक्सक्लूसिव शिक्षक का दर्जा पाने के लिए दक्षता परीक्षा अनिवार्य की गई।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने 25 जनवरी 2024 को विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित किए।

नासिक TCS धर्मांतरण केस में बड़ा एक्शनः निदा खान को छिपाने वाले AIMIM पार्षद की प्रॉपटी पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र के बहुचर्चित नासिक टीसीएस यौन उत्पीड़न एवं जबरन मतांतरण मामले में बुधवार को एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई देखने को मिली। छत्रपति संभाजी नगर नगर निगम (सीएसएमसी) ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पार्षद मतीन पटेल के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उनके आवास और कार्यालय के अवैध हिस्सों को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया है। मतीन पटेल पर यह कार्रवाई इस मामले की मुख्य आरोपित निदा खान को कई दिनों तक अपने परिसर में अवैध रूप से संरक्षण देने के गंभीर आरोप लगने के बाद की गई है।

छत्रपति संभाजी नगर के महापौर समीर राजुरकर ने तीन दिन पहले ही संकेत दे दिए थे कि मतीन पटेल की संपत्तियों की जांच की जा रही है। अवैध पाए जाने पर उनपर कार्रवाई की जाएगी। बुधवार सुबह करीब 6ः15 बजे नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी दस्ता तीन जेसीबी मशीनों और भारी पुलिस बल के साथ नारेगांव के कौसर बाग इलाके में पहुंचा।

किसी भी संभावित विरोध और कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए इलाके में 100 से अधिक निगम अधिकारियों और भारी पुलिस बंदोबस्त की तैनाती की गई थी। कार्रवाई के तहत मतीन पटेल के करीब 600 वर्ग फुट के आवास, कार्यालय और कुछ व्यावसायिक दुकानों के अवैध निर्माण को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया।

महापौर समीर राजुरकर और अतिक्रमण विरोधी विभाग के प्रमुख संतोष वाहुले ने बताया कि शनिवार को मतीन पटेल को उनकी संपत्तियों के अनधिकृत निर्माण के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। उनसे 72 घंटे के भीतर भवन निर्माण अनुमति और मालिकाना हक से जुड़े वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया था।

पार्षद मतीन पटेल द्वारा तय समय सीमा के भीतर कोई संतोषजनक जवाब या दस्तावेज पेश न करने तथा स्थानीय अदालत से भी तत्काल राहत न मिलने के बाद नगर निगम ने अंतिम आदेश जारी कर इस ध्वस्तीकरण अभियान को अंजाम दिया। मतीन पटेल पर चुनाव के दौरान अवैध निर्माण की जानकारी छिपाकर झूठा हलफनामा देने के मामले में उनकी पार्षद सदस्यता रद्द किए जाने का खतरा भी मंडरा रहा है।

रेड स्पॉट पर सख्ती, अधूरे निर्माण पर फटकार: महापौर का तड़के औचक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बुधवार तड़के सुबह विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-4 के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था, जनसुविधाओं और विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। बिना पूर्व सूचना के हुए इस निरीक्षण से संबंधित विभागों में हलचल मच गई और कई स्थानों पर तत्काल व्यवस्थाएं सुधारने की कार्रवाई शुरू कर दी गई।

महापौर ने महू नाका स्थित लक्ष्मण सिंह चौहान तरण पुष्कर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने तैराकों और युवाओं से सीधे संवाद कर सुविधाओं और समस्याओं की जानकारी ली। शुल्क व्यवस्था को लेकर आए सुझावों पर उन्होंने छह माह की अनिवार्यता समाप्त कर तीन-तीन माह में शुल्क जमा करने की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही कर्मचारियों को नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान महापौर लोधीपुरा क्षेत्र भी पहुंचे, जहां सड़कों पर पड़े निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सीएंडडी वेस्ट) और लंबे समय से अधूरे निर्माण कार्यों को देखकर उन्होंने संबंधित जोनल अधिकारी और सीएसआई को फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण मलबे का तत्काल निष्पादन किया जाए और सभी लंबित कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं।

इसके बाद महापौर ने राजमोहल्ला और इतवारिया बाजार स्थित सब्जी मंडी का निरीक्षण किया। उन्होंने व्यापारियों और नागरिकों से बाजारों तथा मंदिरों के आसपास प्लास्टिक का उपयोग कम करने की अपील करते हुए कपड़े और जूट के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

महापौर ने दुकानों के बाहर गुटखा और तंबाकू थूकने से बनने वाले रेड स्पॉट को लेकर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी दी कि दुकानों के सामने किसी भी स्थिति में रेड स्पॉट नहीं बनने दिए जाएं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सहयोग नहीं मिलने पर चालानी कार्रवाई की जाए और बाजारों को रेड स्पॉट मुक्त बनाया जाए।

निरीक्षण के दौरान मुकेरीपुरा क्षेत्र का भी जायजा लिया गया। यहां साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे शहर की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रेड स्पॉट मुक्त इंदौर और प्लास्टिक मुक्त बाजारों के लिए नागरिकों, व्यापारियों और प्रशासन को मिलकर काम करना होगा। साथ ही स्पष्ट किया कि शहर को स्वच्छ, व्यवस्थित और नागरिक-अनुकूल बनाए रखने के लिए इस प्रकार के औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।

स्मार्ट स्ट्रीट लाइट सिस्टम से बदलेगी शहर की तस्वीर, एलईडी तकनीक से होगी करोड़ों की बचत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में नगर निगम मुख्यालय में विद्युत विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, नई एलईडी लाइटों की स्थापना, सीसीएमएस तकनीक, सोलर अभियान, गार्डन लाइटिंग, हाईमास्ट स्थापना और गेटेड कॉलोनियों की विद्युत व्यवस्था सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में निगम अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि शहर में वर्तमान में लगभग 1 लाख 42 हजार स्ट्रीट लाइटें संचालित हो रही हैं। अंधेरे क्षेत्रों को रोशन करने के लिए 10 हजार नई स्ट्रीट लाइटें लगाने की योजना तैयार की गई है। पूर्व में जारी टेंडर निरस्त होने के बाद अब नया टेंडर जारी किया गया है, जिसे 28 मई को खोला जाएगा।

महापौर ने शहर के करीब 10 हजार ऐसे विद्युत खंभों पर प्राथमिकता से एलईडी लाइट लगाने के निर्देश दिए, जहां अभी तक स्ट्रीट लाइटें नहीं लगाई गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि Centralized Control and Monitoring System (CCMS) के तहत अधिकांश स्ट्रीट लाइटों को मोबाइल आधारित स्मार्ट नियंत्रण प्रणाली से जोड़ दिया गया है। इस तकनीक के माध्यम से लाइटों को दूरस्थ रूप से ऑन-ऑफ करने और संचालन समय नियंत्रित करने की सुविधा उपलब्ध होगी।

बैठक में बताया गया कि पहले शहर में 20 हजार 872 स्ट्रीट लाइटें ऐसी थीं जो 24 घंटे लगातार जलती रहती थीं, लेकिन तकनीकी सुधारों के बाद यह संख्या घटकर लगभग 5 हजार 300 रह गई है। शेष लाइटों को भी जल्द स्मार्ट प्रणाली से जोड़ा जाएगा।

महापौर ने 311 हेल्पलाइन पर स्ट्रीट लाइट संबंधी सर्वाधिक शिकायतें आने पर संबंधित एजेंसी प्रतिनिधियों को बुलाकर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वर्तमान में शहर की लाइट व्यवस्था का संचालन तीन प्रमुख एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है।

टीपीएस-04 में 30 मीटर चौड़े मार्ग से हटाया अतिक्रमण, सड़क निर्माण का रास्ता साफ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्माणाधीन नगर विकास योजना क्रमांक-04 में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम इंदौर के सहयोग से संयुक्त रूप से संपन्न हुई। कार्रवाई बायपास स्थित फीनिक्स सिटाडेल मॉल के उत्तरी भाग में योजना क्षेत्र की भूमि पर की गई, जहां प्रस्तावित मुख्य मार्ग में बाधा बन रहे पक्के मकानों एवं अवैध निर्माणों को हटाया गया। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाते हुए सड़क निर्माण के लिए मार्ग को मुक्त कराया। इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी डॉ. परिक्षित झाडे ने बताया कि इस कार्रवाई के तहत मास्टर प्लान में प्रस्तावित 30 मीटर चौड़ी एवं 1100 मीटर लंबी सड़क के लगभग 200 मीटर हिस्से को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। इससे बायपास से झलारिया को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण कार्य तेजी से पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में यातायात सुगम होगा और आसपास के नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सकेगी।

लंबे समय से अनुपस्थित 26 कर्मचारियों पर निगम आयुक्त की कार्रवाई, सेवा समाप्त करने के आदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान लंबे समय से बिना सूचना और अवकाश स्वीकृति के अनुपस्थित चल रहे 26 मस्टर कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनकी सेवाएं समाप्त करने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही संबंधित कर्मचारियों के पारिश्रमिक भुगतान पर भी रोक लगा दी गई है। बैठक के दौरान आयुक्त को जानकारी मिली कि उद्यान विभाग के 26 कर्मचारी कई महीनों से लगातार बिना अनुमति अपने कार्य से अनुपस्थित हैं, जिससे उद्यानिकी कार्य प्रभावित हो रहा है। आयुक्त ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके तहत हरीकृष्ण रामकृष्ण शुक्ला, राहुल अशोक चितोड़ा, अनवर गुलाब खान, संगीता मुकेश वर्मा, विक्रम अर्जुन उंटवाल, मंगला पति सोनाजी, निर्मला पति भोरसे, सोनु हरीश धीमान, तरुण प्रदम सिंह, रवीन्द्र वामनराव, प्रितेश भूपेन्द्र, मनोज बाबूलाल चौहान, दुर्गा सहदेव कामरे, सूरज धारिया, राजेश रमेशचंद्र मेहता, लक्ष्मी गजानंद वानखेड़े, ओमप्रकाश सुखराव सोलंकी, जगदीश शिवराम, महेंद्र रामचंद्र गेहलोद, सदाशिव कैलाश पुरी, इन्द्रसिंह दल्लासिंह चौहान, प्रताप चंदूलाल चावरे, रामकरण धीमान, मनोज कमलेशचंद्र, तुलसाबाई बाबूराव एवं सुनीता बलीराम को कार्य और हाजिरी से मुक्त करते हुए सेवा समाप्त कर दी गई।

ग्रेटर बाबा जैन मंदिर चोरी का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एरोड्रम थाना क्षेत्र स्थित ग्रेटर बाबा परिसर के श्री दिगंबर जैन नवग्रह जिनालय में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में तीन पुरुष और एक महिला शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी गई चांदी और अष्टधातु की मूर्तियां, चांदी के कलश तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित करीब 4 लाख रुपये का मशरुका जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार 4 मई 2026 को फरियादी अनुराग वैध ने एरोड्रम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 3 मई की रात अज्ञात बदमाशों ने जैन मंदिर का ताला तोड़कर अंदर रखी चांदी की मूर्तियां, चांदी के बर्तन एवं अन्य धार्मिक सामग्री चोरी कर ली। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त जोन-1 नरेंद्र सिंह रावत के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त विवेक सिंह चौहान के नेतृत्व में 10 सदस्यीय विशेष टीम गठित की गई। आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई थी। पुलिस टीमों ने अलग-अलग राज्यों में जाकर आरोपियों की तलाश की और करीब 200 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी जांच और निगरानी के आधार पर पुलिस ने आरोपियों तक पहुंच बनाई।

गिरफ्तार आरोपियों में ललित सिंह चौहान निवासी बड़वाह जिला खरगोन, विशाल केवट निवासी महेश्वर जिला खरगोन, ओमप्रकाश चौहान निवासी जगतपुरा बड़वाह तथा गीता बाई मकवाना निवासी तेजाजी नगर इंदौर शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो चांदी की मूर्तियां, एक अष्टधातु की मूर्ति, चार चांदी के कलश एवं चोरी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। जब्त मशरुका की कुल कीमत करीब 4 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदातों और संभावित साथियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

डायनासोर की दुनिया बनेगा धार, 89 से बढ़कर 200 हेक्टेयर में फैलेगा नेशनल पार्क

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार जिला अब डायनासोर युग की अनोखी विरासत को बड़े स्तर पर दुनिया के सामने पेश करने जा रहा है। संभागायुक्त डा. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में धार के डायनासोर नेशनल पार्क के विस्तार की रूपरेखा पर चर्चा हुई। वर्तमान में 89 हेक्टेयर में फैले जीवाश्म पार्क का दायरा बढ़ाकर 200 हेक्टेयर किया जाएगा। आसपास के चार गांवों की जमीन को इसमें शामिल किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि क्षेत्र में डायनासोर की हड्डियां, अंडे, मल सहित कई दुर्लभ जीवाश्म संरक्षित हैं। इकाइनोडर्मा, मोलस्का, मछली और पोरिफेरा प्रजातियों के अवशेष भी यहां मिले हैं, जो इसे देश के महत्वपूर्ण जीवाश्म स्थलों में शामिल करते हैं। अब यहां एक विशाल संग्रहालय बनाया जाएगा, जहां पर्यटक करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्मों को करीब से देख सकेंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होटल, रिसोर्ट, टावर और नई सड़कें विकसित की जाएंगी। रात में भी वाहनों की आवाजाही की सुविधा रहेगी। पार्क के विस्तार से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। बैठक में उपायुक्त राजस्व सपना लोवंशी उपस्थित रही। वहीं वर्चुअली धार से मुख्य वन संरक्षक टीएन मिश्रा, जिला वन मंडलाधिकारी विजय मंथन एवं अभिनव प्रायवेट लिमिटेड के कंसल्टेंट कौस्तुभ कुर्लेकर शामिल हुए।

आईटी पार्क चौराहे पर मिला लावारिस पर्स, यातायात पुलिस ने सुरक्षित लौटाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर यातायात पुलिस ने सजगता और ईमानदारी का परिचय देते हुए आईटी पार्क चौराहे पर मिले एक लावारिस पर्स को उसके वास्तविक मालिक तक सुरक्षित पहुंचाया। पर्स में सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन और नगदी रखी हुई थी। सामान वापस मिलने पर दंपति ने यातायात पुलिस टीम की सराहना करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया।

जानकारी के अनुसार आईटी पार्क चौराहे पर ड्यूटी के दौरान महिला पुलिसकर्मियों को एक लावारिस पर्स पड़ा मिला। पुलिसकर्मियों ने पर्स को सुरक्षित रखकर उसकी जांच की, जिसमें सोने के कान के आभूषण, चांदी की दो जोड़ी पायल, एक चांदी का कमरबंद, दो मोबाइल फोन और नगदी राशि मिली।

पर्स में मिले पहचान पत्र के आधार पर संबंधित व्यक्ति से संपर्क किया गया। जानकारी मिलने पर पता चला कि दंपति राऊ क्षेत्र में मौजूद हैं। उन्हें आईटी पार्क चौराहे पर बुलाया गया और पहचान सत्यापन के लिए मोबाइल फोन का पासवर्ड खुलवाने के साथ पर्स में रखे सामान की जानकारी पूछी गई। संतुष्ट होने के बाद समस्त सामग्री सुरक्षित रूप से दंपति को सौंप दी गई।

यह सराहनीय कार्य महिला आरक्षक टोनिका मौर्य, महिला आरक्षक संध्या पोरवाल एवं महिला आरक्षक आरती वसुनिया द्वारा किया गया। दंपति ने पुलिसकर्मियों की ईमानदारी और तत्परता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यों से पुलिस के प्रति आमजन का विश्वास और मजबूत होता है।

रिटर्न भरने के लिए मिले 120 दिन, पोर्टल खुलने के इंतजार में 45 दिन बीते

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयकर रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। नये वित्त वर्ष के 45 दिन बीत चुके हैं लेकिन आयकर के पोर्टल पर रिटर्न दाखिल करने की सुविधा अब तक शुरू नहीं हुई है। सवाल खड़े हो रहे हैं कि जो आयकर विभाग रिटर्न में एक दिन की भी देरी होने पर करदाता से पेनाल्टी वसूलता है वो खुद की देरी के लिए जवाबदेह क्यों नहीं है? 1 अप्रैल से नया वित्त वर्ष शुरू हो चुका है। बीते दिनों में आयकर ने नए रिटर्न फार्म का प्रारूप जारी तो कर दिया लेकिन पोर्टल पर यूटीलिटी का विकल्प नहीं खोला गया। बिना इस विकल्प के शुरू हुए आयकर रिटर्न दाखिल नहीं हो सकता।

सीए ब्रांच इंदौर के पूर्व अध्यक्ष कीर्ति जोशी कहते हैं नियमानुसार यह अनिवार्य है कि प्रत्येक करदाता को आयकर रिटर्न आनलाइन ही दाखिल करना है। ऐसे में रिटर्न फार्म से उसका काम नहीं चलेगा। रिटर्न फार्म भी साफ्टवेयर से दाखिल होते हैं। ऐसे में यूटीलिटी जारी होने के बाद उसके अनुरूप साफ्टवेयर अपडेट करने में भी दो से चार दिन का समय लगया है।

इस तरह देखा जाए तो अभी की स्थिति में ही रिटर्न ताखिल करने की एक तिहाई समय सीमा तो सिर्फ आनलाइन पोर्टल शुरू होने के इंतजार में ही बीत चुकी है। समय के लिहाज से करदाताओं के लिए यह बढ़ा नुकसान है। जिसकी भरपाई नहीं हो सकती।

ऐन वक्त पर होता है पोर्टल फेल- आयकर रिटर्न दाखिल करने का कम समय मिलने से करदाता के साथ कर सलाहकार और चार्टर्ड अकाउंटेंट भी चिंतित है। दरअसल हर बार आखिरी समय पर विभाग का पोर्टल ठप हो जाता है। इससे रिटर्न दाखिल करने वाले करदाता और कर सलाहकारों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। घंटों इंतजार के बाद जैसे-तैसे रिटर्न दाखिल होते हैं। इसके बाद भी कई करदाताओं को लेटफीस के साथ रिटर्न दाखिल करना पड़ता है।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को रफ्तार : कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने किया इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे का निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे के निर्माण कार्यों को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज हाईवे का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सिंहस्थ 2028 की दृष्टि से इस परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तेजी से कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि यातायात व्यवस्था सुगम और सुरक्षित बनाई जा सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में आने वाली किसी भी प्रकार की बाधा को तत्काल दूर किया जाए तथा NHAI को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए, जिससे परियोजना निर्धारित समय में पूर्ण हो सके।

इस अवसर पर NHAI इंदौर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री प्रवीण यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे परियोजना का संपूर्ण कार्य दिसंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि भेरूघाट बायपास का निर्माण कार्य जुलाई 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके पूर्ण होने से घाट क्षेत्र में लगने वाले ट्रैफिक जाम से आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान NHAI के तकनीकी अधिकारी एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ राजस्व अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बच्चों का सर्वांगीण विकास ही विकसित मध्यप्रदेश @2047 की आधारशिला: मंत्री सुश्री भूरिया

परिणामोन्मुखी चाइल्ड बजटिंग कार्यशाला में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और विभागीय समन्वय पर दिया जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि मध्यप्रदेश के बच्चों का सर्वांगीण विकास ही राज्य के सतत और समावेशी विकास की आधारशिला बनेगी। मंत्री सुश्री भूरिया बुधवार को होटल कोर्टयार्ड मैरियट में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चाइल्ड बजटिंग इन मध्यप्रदेश विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं।

मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दिखती है। उन्होंने मुख्य वित्तीय प्रावधानों को साझा करते हुए कहा कि बजट में इस वर्ष 26 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि की गई है।स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में 23 हजार 747 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें पोषण 2.0 जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। राज्य के कुल व्यय का 13.7 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा पर व्यय के लिये आवंटित किया गया है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने स्पष्ट किया कि बच्चों का विकास केवल संबंधित बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने कहा चाइल्ड बजट स्टेटमेंट में अब 19 विभागों को शामिल किया गया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य और सामाजिक न्याय जैसे सभी विभागों को एक निर्धारित लक्ष्य अनुसार मिलकर काम करना होगा। विभागों के बीच जब बेहतर समन्वय होगा, तभी बजट का वास्तविक लाभ धरातल पर दिखेगा।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में शासकीय कार्यप्रणाली में नवाचार, सुशासन और जनसेवा के उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार (नवाचार हेतु) वर्ष 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग ने जानकारी दी कि यह पुरस्कार मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों, विभागाध्यक्ष कार्यालयों तथा उनके अधीन कार्यरत निगम, मंडल, बोर्ड एवं संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारियों को उनके नवाचार आधारित उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया जाएगा।

यह पुरस्कार 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिये प्रदान किये जायेंगे। ऐसे कार्य जिनसे प्रशासनिक कार्यप्रणाली, सेवा प्रदाय व्यवस्था अथवा जनहित में सकारात्मक और प्रभावी परिवर्तन आया हो।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के अंतर्गत नागरिक सेवा प्रदाय, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुशासन, शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण, अधोसंरचना, सामाजिक समावेश एवं सशक्तिकरण, रोजगार एवं आर्थिक विकास जैसे प्रमुख कार्यक्षेत्रों में किए गए नवाचारों को सम्मानित किया जाएगा।

रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं विश्वास का प्रतीक बनी जीआरपी - इंदौर, जबलपुर एवं ग्वालियर

ट्रेन में छूटे लगभग 8 लाख रुपये से अधिक के जेवरों से भरे बैग को जीआरपी इंदौर ने सुरक्षित लौटाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश रेलवे पुलिस द्वारा रेल यात्रियों की सुरक्षा, संपत्ति संरक्षण एवं जनविश्वास कायम रखने के उद्देश्य से लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जीआरपी जबलपुर, ग्वालियर एवं इंदौर द्वारा चोरी एवं जेवरात संबंधी मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए 21 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। वहीं इंदौर जीआरपी ने ईमानदारी एवं तत्परता का परिचय देते हुए यात्री का जेवरों से भरा बैग सुरक्षित लौटाकर सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

जीआरपी इंदौर- जीआरपी इंदौर ने रेलवे स्टेशन इंदौर से ट्रॉली बैग चोरी का मात्र 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लगभग 2 लाख 82 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है।

इसके अतिरिक्त जीआरपी इंदौर ने ईमानदारी, संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए ट्रेन में छूटे लगभग 8 लाख 50 हजार रुपये मूल्य के जेवरों से भरे बैग को कुछ ही घंटों में सुरक्षित खोजकर संबंधित यात्री के सुपुर्द किया। जीआरपी की इस सराहनीय कार्रवाई से यात्रियों में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना और अधिक मजबूत हुई है। यह कार्रवाई रेल पुलिस की जनसेवा, जिम्मेदारी एवं मानवता के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

जीआरपी जबलपुर- थाना जबलपुर द्वारा रनिंग ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशन क्षेत्र में चलाये जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के दौरान एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सोने का मंगलसूत्र, चेन, बाली, लॉकेट एवं चांदी की पायल सहित लगभग 2 लाख 85 हजार रूपये की संपत्ति जब्त की है।

एक अन्य कार्यवाही में जबलपुर की टीम द्वारा एक महिला चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के आभूषण जप्त किये गये। महिला आरोपी द्वारा यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जाता था। कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से 8 हजार 750 रूपए मूल्य के आभूषण जब्त किये गये।

जीआरपी ग्वालियर- जीआरपी ग्वालियर द्वारा ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशन क्षेत्र में जेवरात एवं नगदी चोरी करने वाले गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए विभिन्न प्रकरणों में संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

लग्जरी बसें या मालगाड़ी, यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ पर 'अशोक ट्रेवल्स' की बस जब्त, प्रशासन की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच में यात्रियों की जान जोखिम में डालकर लग्जरी बसों का 'मालगाड़ी' के रूप में धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए 'अशोक ट्रेवल्स' की एक बस पर बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, बस की छत पर क्षमता से अधिक भारी मात्रा में व्यावसायिक माल ठूंसा गया था, जो सीधे तौर पर यात्रियों की सुरक्षा के साथ एक गंभीर खिलवाड़ था।

जानकारी के मुताबिक, जब्ती की इस कार्रवाई को रोकने के लिए बस संचालकों ने अपने रसूख का भरपूर इस्तेमाल किया और कई जगह 'फोन भी घुमाए', लेकिन मौके पर मौजूद अधिकारियों के आगे उनकी एक न चली और बस को अंततः जब्त कर लिया गया।

सिर्फ एक पर कार्रवाई, बाकी पर मेहरबानी क्यों- अशोक ट्रेवल्स पर हुई इस कार्रवाई के बाद अब स्थानीय परिवहन व्यवस्था और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। लोगों और अन्य ऑपरेटरों के बीच चर्चा का विषय यह है कि कार्रवाई सिर्फ एक पर ही क्यों?

क्या प्रशासन केवल खानापूर्ति कर रहा है- शहर में अजय ट्रेवल्स, गायत्री ट्रेवल्स, मुल्तानी सोना और कोठानी जैसी कई अन्य ट्रैवल एजेंसियां भी धड़ल्ले से अपनी बसों में इसी तरह ओवरलोडिंग कर माल ढो रही हैं, लेकिन इन पर प्रशासन की विशेष 'मेहरबानी' बनी हुई है।

प्रशासन की मंशा पर उठते सवाल- इस घटना ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या ये वाकई यात्रियों के लिए चलाई जाने वाली लग्जरी बसें हैं या फिर अवैध माल ढुलाई करने वाली मालगाड़ियाँ? यदि नियम सबके लिए समान हैं, तो अशोक ट्रेवल्स की बस की तरह अन्य ऑपरेटरों पर चाबुक क्यों नहीं चल रहा?

अब देखना यह होगा कि इस मामले के तूल पकड़ने और सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्या प्रशासन कुंभकर्णी नींद से जागकर अजय ट्रेवल्स, गायत्री, मुल्तानी सोना और कोठानी जैसे अन्य ऑपरेटरों पर कार्रवाई करने की हिम्मत जुटा पाएगा, या फिर 'फिक्स मंथली' के खेल में यात्रियों की सुरक्षा इसी तरह दांव पर लगी रहेगी।

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत डगवेल रिचार्ज के 2639 कार्य पूर्ण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत व्यापक स्तर पर जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के तहत जिले में डगवेल रिचार्ज के कुल 4296 कार्य प्रारंभ किए गए थे। इनमें भानपुरा में 965, गरोठ में 991, मल्हारगढ़ में 1066, मंदसौर में 463 तथा सीतामऊ में 811 कार्य शामिल हैं। इनमें से अब तक जिले में कुल 2639 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। पूर्ण हुए कार्यों में भानपुरा में 440, गरोठ में 560, मल्हारगढ़ में 506, मंदसौर में 639 तथा सीतामऊ में 494 कार्य शामिल हैं।

सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में कंटूर ट्रेंच निर्माण, पर्कोलेशन तालाब निर्माण, अमृत सरोवर निर्माण, खेत तालाब निर्माण तथा डगवेल रिचार्ज जैसे विभिन्न कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। इन कार्यों के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण एवं भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर आमजन के लिए सार्वजनिक प्याऊ स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि नागरिकों एवं राहगीरों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। इसके साथ ही एक बगिया मां के नाम÷ परियोजना के तहत जिले में फलदार पौधों का रोपण किया जा रहा है। अभियान के तहत प्राचीन एवं पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण तथा बावड़ियों के जीर्णोद्धार का कार्य भी प्राथमिकता से किया जा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभियान जनभागीदारी के साथ संचालित किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने आमजन से वर्षा जल संचयन एवं जल बचत के उपाय अपनाने की अपील की है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सके।

कृषि अधिकारियों एवं कीटनाशक निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि विभाग के उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता में आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कीटनाशक निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में गुणवत्तायुक्त कृषि आदानों की उपलब्धता, कीटनाशकों के सुरक्षित भंडारण एवं परिवहन, निर्धारित मानकों के अनुरूप विक्रय व्यवस्था तथा नकली एवं अवैध कीटनाशकों की रोकथाम संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके साथ ही ई-विकास पोर्टल से उर्वरक विक्रय के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

उप संचालक श्री उपाध्याय ने बताया कि किसान अपनी आवश्यकतानुसार उर्वरक सेवा सहकारी समिति अथवा मनपसंद निजी विक्रेता से ई-विकास पोर्टल पर ई-टोकन बुक करके प्राप्त कर सकते है। इसके अलावा एमपी ऑनलाईन केन्द्र से भी 15 रूपये का शुल्क देकर ई-टोकन जारी करा सकते है।

बैठक में सभी कीटनाशक निर्माता कंपनियों एवं विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि वे शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों एवं नियमों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करें। साथ ही सभी कंपनियों को अपने अधिकृत विक्रेताओं की अद्यतन सूची एवं जारी की गई कीटनाशक विक्रय अनुज्ञप्तियों की जानकारी विभाग को निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान स्पष्ट किया गया कि बिना वैध लाइसेंस के कीटनाशकों का विक्रय एवं भंडारण पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही नकली एवं अमानक कीटनाशकों के विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभाग द्वारा सतत निरीक्षण एवं सघन जांच अभियान संचालित किया जाएगा।

बैठक में आगामी खरीफ सीजन के दौरान किसानों को गुणवत्ता युक्त एवं प्रमाणित कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने, मांग एवं आपूर्ति की नियमित समीक्षा करने तथा किसानों को जागरूक करने हेतु समन्वित कार्यवाही किए जाने पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारीगण, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कीटनाशक निरीक्षक एवं विभिन्न कीटनाशक निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

SP राजेश व्यास का मिडनाइट एक्शन : थाने में एंट्री लेते ही बदला माहौल, मौके पर दिए आदेश, अब एसपी का आया बयान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आधी रात का सन्नाटा... थाने में रोजमर्रा का कामकाज चल रहा था... तभी अचानक पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास की गाड़ी जीरन थाने के बाहर आकर रुकी। जैसे ही कप्तान अंदर पहुंचे, पूरे थाने में हड़कंप मच गया। ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों के चेहरे बदल गए और माहौल पूरी तरह सतर्क हो उठा।

निरीक्षण के दौरान थाने में एक फरियादी अपनी शिकायत लेकर बैठा था। एसपी राजेश व्यास सीधे उसके पास पहुंचे, पूरी बात सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दे दिए। फरियादी के सामने ही पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय होती देख हर कोई चौकन्ना नजर आया।

एसपी ने केवल औपचारिकता नहीं निभाई, बल्कि थाने के हर हिस्से की गहन जांच की। मालखाना, बंदी गृह, रिकॉर्ड रूम और सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया गया। दस्तावेजों और व्यवस्थाओं में जहां कमी नजर आई, वहां तुरंत सुधार के निर्देश दिए गए।

कप्तान ने जीरन क्षेत्र के रात्रि गश्त पॉइंट्स पर भी पहुंचकर पुलिस जवानों की मुस्तैदी देखी। उन्होंने साफ किया कि रात के समय जनता की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

इस निरीक्षण के बाद राजेश व्यास ने चर्चा में बताया कि उन्होंने रात करीब 12 बजे जीरन थाने का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान थाने की व्यवस्थाओं, रिकॉर्ड और सुरक्षा इंतजामों की जांच की गई। साथ ही रात्रि गश्त कर रही पुलिस टीम को भी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए।

एसपी राजेश व्यास के इस औचक निरीक्षण ने पूरे जिले के पुलिस महकमे को सख्त संदेश दे दिया है–फरियादी की सुनवाई में देरी और ड्यूटी में लापरवाही अब भारी पड़ सकती है। कप्तान के इस अचानक एक्शन के बाद जिले के अन्य थानों में भी सतर्कता बढ़ गई है।

विधायक व शहर काजी ने किया एसवीएन स्कूल में निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एसवीएन स्कूल द्वारा निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक विपिन जैन एवं शहर काजी आसिफउल्लाह ने फीता काटकर किया। प्रशिक्षण संचालक आसिफ खान एवं जफर कुरेशी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण में लगभग 90 बालिकाएं भाग ले सकेंगी तथा यह पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और युवतियों को सिलाई का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में पूर्व अंजुमन सदर शकील भाई, सर्वर भाई मीडिया प्रभारी, हज कमेटी अध्यक्ष शाहिद निजामी, जिला स्काउट मीडिया प्रभारी उमर शेख, सद्दाम, शाहरुख शेख, मुशर्रफ अली, समीर खान, पूर्व अंजुमन नायब सदर फिरोज एवं वसीम शेख सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम समाज में महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सफाई कामगारों के युवाओं को स्वरोजगार से जोडने के विशेष प्रयास करें- श्री करोसिया

सफाई कामगारों के स्वत्वों का समय सीमा में भुगतान किया जाए

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सफाई कामगार परिवार के युवाओं को स्वरोजगार से जोडने के लिए उनके कौशल उन्नयन के लिए स्वरोजगार प्रशिक्षण दिलाने तथा स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाए। यह निर्देश म.प्र.राज्य सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया ने नीमच में जिला अधिकारियों और सफाई कामगार, संगठनों के प्रतिनिधियों, सभी सीएमओ की बैठक में दिए। बैठक में एडीएम श्री बी.एस.कलेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री एन.एस.सिसोदिया, जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी श्री पराग जैन, नीमच सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया सहित सभी सीएमओ व जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया ने विभिन्न कार्यालयों व नगरीय निकायों में सफाई कामगारों के स्वीकृत पद रिक्त पदों की जानकारी की विस्तार से विभागवार समीक्षा की। उन्होने कहा, कि विभिन्न निकायों और कार्यालयों व्दारा विनियमितीकरण किए गए कर्मचारियों को पात्रतानुसार स्थाई करने की कार्यवाही करें। उन्होने निर्देश दिए कि सफाई कामगारों को नियमानुसार अवकाश तथा परिवार को मृत्यु के प्रकरणों में उपादान का समय सीमा में भुगतान सुनिश्चित किया जाए। आयोग के अध्यक्ष ने सफाई कामगार परिवारों के लिए नगरीय निकाय क्षेत्र में मांगलिक भवन निर्माण के लिए भूमि चिन्हित करने पर जोर दिया।

बैठक में आयोग के अध्यक्ष श्री करोसिया ने सफाई कामगारों के वेतन भत्ते, एन.पी.एस., अनुकम्पा नियुक्ति, रिक्त पदों की पूर्ति, पेंशन, पी.एफ., ईएसआई प्रकरणों के त्वरित निराकरण, बस्ती विकास, सामुदायिक भवन, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनाओं की नगरीय निकायवार प्रगति की समीक्षा की और इन सभी योजनाओं में सफाई कामगार सदस्यों की आनुपातिक भागीदारी की भी समीक्षा की।

उन्होने न.पा.सीएमओ को नीमच में सफाई कामगारों के लिए आवासीय कालोनी विकसित करने और व्यवसाईक दुकाने निर्मित कर आवंटित कब्जे की कार्यवाही करने को भी कहा। उन्होने सभी सफाई कामगारों का प्रतिमाह 10 तारीख तक वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

नीमच जिले की 1,55,737 लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित हुई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना तहत नीमच जिले की 1,55,737 हितग्राही बहनों के बैंक खातों में आज 36वीं किश्त की राशि 22 करोड़ 80 लाख अंतरित की गई। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती अमिता पंड्या ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में नरसिंहपुर जिले के ग्राम मुंगवानी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना राशि अंतरण एवं महिला सशक्तिकरण सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में कुल 1553 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की गई हैं। इस कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट नीमच जिले में ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर हितग्राही लाड़ली बहनों द्वारा देखा गया। योजना प्रारंभ होने से यह 36वीं किश्त है, जो लाड़ली बहनों के खातों में जमा हुई है।

ई-टोकन व्यवस्था पर किसानों में बढ़ा असंतोष, संपूर्ण तैयारी के बाद ही लागू हो व्यवस्था- अशोक कुमठ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में खाद वितरण के लिए लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था को लेकर किसानों में लगातार असंतोष बढ़ता जा रहा है। किसानों को खाद लेने में आ रही तकनीकी और व्यवस्थागत परेशानियों को लेकर फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) नई दिल्ली के सदस्य अशोक कुमठ ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान को विस्तृत पत्र लिखकर तत्काल सुधार की मांग की है। कुमठ ने पत्र में कहा कि किसी भी नई व्यवस्था को लागू करने से पहले उसका संपूर्ण होमवर्क, परीक्षण और जमीनी स्तर पर तैयारी होना आवश्यक है। बिना पूरी तैयारी के लागू की गई योजनाएं किसानों के लिए राहत की जगह परेशानी का कारण बन जाती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मध्यप्रदेश में लागू की गई खाद वितरण की ई-टोकन व्यवस्था भी कई प्रकार की व्यावहारिक समस्याओं से घिरी हुई है।

कुमठ ने बताया कि वर्तमान व्यवस्था में प्रत्येक किसान के लिए आईडी होना अनिवार्य कर दिया गया है, जबकि आज भी बड़ी संख्या में किसान ऐसे हैं जिनके पास आवश्यक आईडी उपलब्ध नहीं है। ऐसे किसान खाद प्राप्त करने के लिए समितियों और दुकानों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। कई स्थानों पर किसान घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी खाद नहीं ले पा रहे हैं। उन्होंने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि किसानों को जरूरत के अनुसार खाद की मात्रा नहीं मिल पा रही है। निर्धारित सीमा और तकनीकी बाधाओं के कारण कई किसानों को आधी-अधूरी मात्रा में ही खाद उपलब्ध हो रही है, जिससे आगामी फसलों के उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। किसानों का कहना है कि समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिलने से बोवनी और फसल प्रबंधन प्रभावित होगा। कुमठ ने सॉयल हेल्थ कार्ड की अनिवार्यता पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनेक किसानों के पास अभी तक सॉयल हेल्थ कार्ड उपलब्ध नहीं हैं, इसके बावजूद सॉफ्टवेयर के आधार पर खाद की अनुशंसित मात्रा तय की जा रही है। जबकि हर खेत की मिट्टी की गुणवत्ता और उसमें उपलब्ध पोषक तत्व अलग-अलग होते हैं। एक समान अनुशंसा व्यवहारिक नहीं हो सकती। उन्होंने खाद के दामों में दिखाई दे रही विसंगतियों की ओर भी कृषि मंत्री का ध्यान आकर्षित किया। पत्र में बताया गया कि एनपीके सहित विभिन्न उर्वरकों के मूल्य अलग-अलग स्थानों पर अलग बताए जा रहे हैं। कई किसानों को ई-टोकन में एक मूल्य दिखाई देता है, जबकि दुकानों पर अलग मूल्य बताया जा रहा है। इससे किसानों में भ्रम और असंतोष की स्थिति बन रही है। कुमठ ने कहा कि खाद खेती की सबसे आवश्यक वस्तुओं में शामिल है, जिसे एक दिन के लिए भी रोका नहीं जा सकता। ऐसे में यदि सर्वर डाउन हो जाए या नेटवर्क की समस्या आ जाए तो संपूर्ण वितरण व्यवस्था ठप हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या पहले से बनी हुई है, जिससे किसान और अधिक परेशान हो रहे हैं। पत्र में यह सवाल भी उठाया गया कि यदि कोई किसान जैविक या देशी खाद का उपयोग करना चाहता है और फॉस्फेटिक उर्वरक नहीं लेना चाहता, तो उसे यूरिया पात्रता से क्यों जोड़ा जा रहा है। किसानों को अपनी आवश्यकता और खेती की पद्धति के अनुसार खाद चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। कुमठ ने केंद्रीय कृषि मंत्री से मांग की कि ई-टोकन व्यवस्था में आ रही सभी तकनीकी और व्यवहारिक कठिनाइयों का तत्काल समाधान किया जाए। साथ ही व्यवस्था को किसानों के लिए सरल और व्यवहारिक बनाया जाए ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो किसानों में बढ़ता आक्रोश सरकार और प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

पिपल्यामंडी पुलिस की कार्रवाई: 3 शातिर मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार, 3 बाइक बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देशन में वाहन चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पिपल्यामंडी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अलग-अलग स्थानों से चुराई गई 03 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। घटना अनुसार दिनांक 10 फरवरी 2026 को फरियादी दीपक सोनी निवासी पिपल्यामंडी की हीरो स्प्लेंडर बाइक उनके घर के सामने से चोरी हो गई थी. इस संबंध में थाना पिपल्यामंडी पर अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। मुखबिर की सूचना पर दिनांक 13 मई को कचोरिया रोड पिपल्यामंडी से आरोपी महेश कुमावत को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया. उसकी निशानदेही पर अन्य दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया।

मामले में गिरफ्तार आरोपी में महेश (22 वर्ष)÷ पिता पुष्कर कुमावत, निवासी नरसिंहपुरा मन्दसौर, रवि उर्फ नारायण (35 वर्ष)÷ पिता ओंकारलाल कुमावत, निवासी नरसिंहपुरा मन्दसौर, असलम (24 वर्ष)÷ पिता शब्बीर मेवाती, निवासी नई फतेहगढ़ थाना दलौदा शामिल है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 3 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह इवने, उनि भीम सिंह राठौड़, प्रआर विजय परमार और पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिवसेना का प्रदर्शन : बड़े अस्पताल में एसडीपी मशीन की मांग, 10 दिवस में निराकरण नहीं हुआ तो भोपाल में करेंगे जल सत्याग्रह

तितरोद की श्री वृंदावन धाम गौशाला समिति के आसपास की गोचर भूमि से अतिक्रमण हटाने को लेकर दिया ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एसडीपी मशीन सोनोग्राफी मशीन स्थाई डॉक्टर की मन्दसौर जिले की जनता एवं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारो द्वारा लगातार मांग की जा चुकी है, जिसमें सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा आश्वासन भी दिया गया और विधायक, जिला प्रभारी मंत्री व जिला प्रशासन को जनता द्वारा बार बार आवेदन, निवेदन, ज्ञापन भी दिए गए उसके बाद भी आज तक एसडीपी मशीन जिला चिकित्सालय मंदसौर में नहीं आई है और ना ही यहां सोनोग्राफी मशीन के साथ स्थायी डॉक्टर की व्यवस्था है। शासन द्वारा एसडीपी मशीन के टेक्निशियन की ट्रेनिंग भी दी जा चुकी हैं।

उसी कड़ी में शिवसेना यूटीबी द्वारा एसडीपी मशीन व सोनोग्राफी मशीन के साथ स्थायी डॉक्टर की व्यवस्था व सीतामऊ के गांव तीतरोद की श्री वृंदावन धाम गौशाला समिति के आसपास की गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा गया। 10 दिवस के भीतर अगर उक्त मागों का निराकरण नहीं हुआ तो शिवसेना यूटीबी मध्य राज्य प्रमुख सुनील शर्मा के नेतृत्व जिला चिकित्सालय में धरना प्रदर्शन व मुख्यमंत्री निवास भोपाल के पास शीतल दास बगिया में जल सत्याग्रह किया जाएगा किया जायेगा। इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले पदाधिकारी शिवसेना युटीबी मध्यप्रदेश राज्य प्रमुख सुनील शर्मा, आईटी सेल राज्य प्रमुख नाहर सिंह गौड़, महिला आघाड़ी सेना राज्य प्रमुख श्यामा देवी नायक, संभाग उप प्रमुख अनिल माली, युवा सेना जिला प्रमुख शुभम कछावा, आईटी सेल संभाग प्रमुख शैलेंद्र विश्वकर्मा, आईटी सेल जिला प्रमुख राजेश राठोर, जिला उप प्रमुख रघुनाथ नायक, प्रताप सिंह भाटी, सीतामऊ तहसील प्रमुख निलेश पाटीदार, राहुल राव, जसवंत सुराणा, दीपक नायक, मुकेश, अर्जुन, अशोक दमानी, राजू गणपत परमार, राकेश, टम्मा बाई, राधाबाई, गिरिजा बाई, गुड्डी बाई, राधाबाई सहित सैकड़ो शिव सैनिक मातृशक्ति मौजुद थे।

सभी नागरिक क्यूआर कोड स्केन कर स्वच्छता सर्वेक्षण फीडबैक में करें सहभागिता : आयुक्त श्री भोंडवे

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में मध्यप्रदेश अपनी संकल्पबद्धता और जन-सहयोग के अनूठे संगम के साथ अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के कुल 406 नगरीय निकायों में स्वच्छता के प्रति जो उत्साह और चेतना जाग्रत हुई है, उसका प्रत्यक्ष प्रमाण नागरिकों द्वारा अब तक दर्ज कराए गए 19 लाख से अधिक फीडबैक हैं। यह संख्या न केवल नागरिकों की अपनी शहर की स्वच्छता के प्रति सजगता को दर्शाती है, बल्कि यह प्रदेश की उस सामूहिकता का भी परिचायक है जो मध्यप्रदेश को स्वच्छता के शिखर पर बनाए रखने के लिए तत्पर है। विभाग द्वारा इस विशाल जन-समर्थन को एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जो आगामी रैंकिंग में प्रदेश के शहरों की स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा। नागरिकों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त दिये गये क्यूआर कोड को स्केन कर स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में अपना फीडबैक दर्ज करे।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के सर्वेक्षण की सबसे अभिनव और क्रांतिकारी विशेषता इसकी मूल्यांकन प्रणाली में किया गया मूलभूत परिवर्तन है, जिसमें नागरिक फीडबैक और जन-शिकायत निवारण (ग्रीवांस रिड्रेसल) को मुख्य आधार बनाया गया है। पूर्ववर्ती सर्वेक्षणों की तुलना में इस बार रैंकिंग की गणना में नागरिकों की प्रतिक्रिया और उनकी शिकायतों के त्वरित व प्रभावी समाधान को अत्यधिक महत्व और वेटेज प्रदान किया गया है। इससे स्वच्छता के प्रबंधन को केवल प्रशासनिक सक्रियता तक सीमित न रखकर इसे पूर्णतः नागरिक-केंद्रित बनाना है। अब शहरों की सफलता का पैमाना केवल कागजी आंकड़े नहीं, बल्कि धरातल पर नागरिकों का संतुष्टि स्तर और उनकी समस्याओं के निराकरण की गतिशीलता होगी।

सम्पादकीय

सामाजिक हित और हम, इसे निभाने में कोताही क्यों?

प्रख्यात अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा था कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके लोगों की सामाजिक चेतना और भागीदारी में निहित होती है। जब कोई राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक, ऊर्जा अथवा सामरिक विषमताओं से गुजरता है, तब केवल सरकार या सेना ही नहीं, बल्कि देश का प्रत्येक नागरिक उस चुनौती का हिस्सा बन जाता है। इतिहास सदैव गवाह है कि जिन देशों के नागरिकों ने कठिन समय में संयम, अनुशासन और त्याग का परिचय दिया, वे राष्ट्र अधिक मजबूत होकर उभरे। राष्ट्र केवल सीमाओं, संसदों और संस्थाओं से नहीं बनता, बल्कि करोड़ों नागरिकों की चेतना, जिम्मेदारी और व्यवहार से निर्मित होता है। इसलिए विपरीत परिस्थितियों के समय देश के हित को सबसे ऊपर रखना प्रत्येक नागरिक का पहला दायित्व बन जाता है।

भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने कहा था कि हर नागरिक को यह अनुभव होना चाहिए कि उसका देश स्वतंत्र है और उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करना उसका कर्तव्य है।

आज विश्व अनेक प्रकार के संकटों से गुजर रहा है। कहीं युद्ध की विभीषिका है, कहीं ऊर्जा संकट, कहीं महंगाई और आर्थिक अस्थिरता। विश्व की अनेक घटनाओं का प्रभाव भारत जैसे विशाल विकासशील देश पर भी पड़ता है। ऐसे समय में यदि देश का मुखिया जनता से ऊर्जा बचाने, आवश्यक वस्तुओं के विवेकपूर्ण उपयोग या आर्थिक संयम का आह्वान करते हैं, तो उसे केवल सरकारी निर्देश मानकर नहीं, बल्कि अपना स्वयं का काम समझकर स्वीकार करना चाहिए। महात्मा गांधी जी ने कहा था कि पृथ्वी प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन प्रत्येक मनुष्य के लालच को नहीं।

यह कथन आज के उपभोक्तावादी दौर में और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। आवश्यकता और अंधाधुंध उपभोग के बीच का अंतर समझना ही सच्ची राष्ट्रसेवा है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स का मानना था कि आर्थिक स्थिरता केवल सरकारी नीतियों से नहीं आती, बल्कि उपभोक्ताओं और नागरिकों के व्यवहार से भी निर्मित होती है। यदि जनता विवेकपूर्ण आचरण करे तो बड़े आर्थिक संकटों का प्रभाव काफी हद तक कम किया जा सकता है। ऊर्जा संकट इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यदि देश ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भर हो और विश्व की परिस्थितियों के कारण तेल एवं गैस की कीमतें बढ़ जाएँ, तो उसका सीधा प्रभाव देश की आर्थिक सामाजिक स्थिति पर पड़ता है। ऐसे समय में यदि नागरिक बिजली, ईंधन और संसाधनों का संयमित उपयोग करें, सार्वजनिक परिवहन अपनाएँ, अनावश्यक उपभोग कम करें, तो यह समाज की आर्थिक शक्ति को मजबूत करने वाला कदम बन जाता है। छोटी-छोटी सावधानियाँ भी बड़े परिणाम देती हैं।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक ए. पी. जे. अब्दुल कलाम कहा करते थे किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मन वाले लोगों का राष्ट्र बनाना है, तो उसमें तीन लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं – माता, पिता और शिक्षक। इस कथन का व्यापक अर्थ यह है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की नैतिक भागीदारी से संभव होता है। आर्थिक संकट के समय समझदारी से खरीदारी करना भी देश हित का हिस्सा है। आवश्यक वस्तुओं का अनावश्यक संग्रह, कालाबाजारी को बढ़ावा देना, अफवाहों में आकर जरूरत से अधिक खरीदारी करना, यह सब देश की व्यवस्था को कमजोर करता है। कोविड महामारी के समय हमने देखा कि कैसे कुछ लोगों ने दवाइयों, ऑक्सीजन और खाद्य सामग्री का अनावश्यक भंडारण किया, जबकि अनेक नागरिकों ने सेवा, सहयोग और संयम का परिचय देकर मानवता की मिसाल प्रस्तुत की थी। विषम परिस्थिति यह तय करती है कि कि समाज स्वार्थ से चलेगा या संवेदनशीलता से। यहां यह बात समझ में आती है कि आर्थिक नीतियाँ तभी सफल होती हैं जब आमजन सहयोग की भावना से जुड़ें। सामरिक संकट के समय तो नागरिकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते, वे देश के भीतर अनुशासन, धैर्य और एकता से भी जीते जाते हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अनेक देशों के नागरिकों ने राशन व्यवस्था अपनाई, ईंधन की बचत की और राष्ट्रीय हित में व्यक्तिगत सुविधाओं का त्याग किया। भारत में भी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी को अपनाया। वह केवल आर्थिक आंदोलन नहीं था, बल्कि आत्मसम्मान का प्रतीक था। यह रक्षा केवल हथियारों से नहीं, बल्कि आर्थिक अनुशासन, सामाजिक समरसता और निष्ठा से भी होती है। आज सोशल मीडिया और त्वरित सूचना के युग में एक नई जिम्मेदारी भी नागरिकों के सामने है। संकट के समय अफवाहें फैलाना, भ्रामक सूचनाओं को साझा करना या समाज में भय और विभाजन पैदा करना भी देश के विरुद्ध कार्य है।

विपरीत परिस्थितियों पर पार पाने का सहज साधन - सहजयोग

आज का युग अत्यधिक प्रतिस्पर्धा, तनाव और असुरक्षा का युग बन गया है। हर व्यक्ति किसी न किसी चिंता से घिरा हुआ है – किसी को रोजगार की चिंता है, किसी को परिवार की, किसी को भविष्य की। छोटी-छोटी समस्याएँ भी मनुष्य को भीतर से तोड़ देती हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि मनुष्य ने बाहरी उपलब्धियों को तो महत्व दिया, परंतु अपने आंतरिक विकास को भूल गया। सहजयोग हमें सिखाता है कि यदि भीतर स्थिरता हो, तो बाहर का तूफ़ान भी हमें डिगा नहीं सकता ।

सहज का अर्थ है – स्वाभाविक, और योग का अर्थ है – जुड़ाव। अर्थात अपने वास्तविक स्वरूप, अपनी आत्मा और परम चेतना से स्वाभाविक रूप से जुड़ जाना ही सहजयोग है। जब मनुष्य अपने भीतर की शांति से जुड़ता है, तब बाहरी परिस्थितियाँ उसे अधिक देर तक विचलित नहीं कर पातीं।

जब व्यक्ति ध्यान के माध्यम से अपने विचारों को शांत करना सीखता है, तब उसका मन स्पष्ट और संतुलित हो जाता है। वह परिस्थितियों को भावनाओं के आवेग में नहीं, बल्कि विवेक और धैर्य से देखता है। परिणामस्वरूप समस्याएँ उसे बोझ नहीं लगतीं, बल्कि सीख और अनुभव का माध्यम बन जाती हैं। विपरीत परिस्थितियाँ वास्तव में मनुष्य की परीक्षा होती हैं। वे यह सिद्ध करती हैं कि व्यक्ति का आत्मबल कितना दृढ़ है। सहजयोग इस आत्मबल को जागृत करता है। यह मनुष्य को सिखाता है कि भय, क्रोध, ईर्ष्या और चिंता जैसी नकारात्मक भावनाएँ हमारी ऊर्जा को कमजोर करती हैं, जबकि प्रेम, क्षमा, संतोष और आत्मविश्वास हमें भीतर से शक्तिशाली बनाते हैं।

सहजयोग केवल व्यक्तिगत शांति तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक और पारिवारिक जीवन में भी सामंजस्य लाता है। एक शांत और संतुलित व्यक्ति अपने परिवार, समाज और कार्यक्षेत्र में भी सकारात्मक वातावरण उत्पन्न करता है। वह दूसरों की समस्याओं को समझने लगता है, उसके भीतर करुणा और सहनशीलता बढ़ती है। इस प्रकार सहजयोग केवल ध्यान की पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की श्रेष्ठ कला बन जाता है।

प्रकृति भी हमें यही संदेश देती है। नदी के मार्ग में कितनी ही चट्टानें आएँ, वह रुकती नहीं; बल्कि अपना मार्ग स्वयं बना लेती है। वृक्ष आँधी में झुक जाते हैं, इसलिए टूटते नहीं। उसी प्रकार सहजयोग मनुष्य को परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को संतुलित करना सिखाता है। यह हमें कठोर नहीं, बल्कि भीतर से लचीला और मजबूत बनाता है। अंततः कहा जा सकता है कि जीवन की कठिनाइयाँ समाप्त नहीं होंगी, परंतु उन्हें देखने का हमारा दृष्टिकोण बदल सकता है। सहजयोग यही परिवर्तन लाता है। यह मनुष्य को बाहरी परिस्थितियों का दास नहीं, बल्कि अपने मन और आत्मा का स्वामी बनाता है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है।

सपनों की उड़ान अकेले नहीं, परिवार के पंखों से ऊँची होती है

टूटते रिश्तों की खामोशी जब जीवन में फैलती है, तो हर दिशा सूनी और अर्थहीन लगने लगती है। इंसान जीता तो है, पर भीतर से खाली हो जाता है। 15 मई, अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस, इसी सच को उजागर करता है कि परिवार ही वह अटूट आधार है, जो हमें स्थिरता देता है, कठिन समय में संभालता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा बनता है। यह दिन केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की जड़ों को मजबूत करने का आह्वान है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसकी घोषणा का उद्देश्य भी यही था–परिवार बिखरा, तो समाज का संतुलन डगमगा जाएगा। आज बढ़ती असमानताओं के दौर में यह दिवस हमें चेताता है कि परिवार ही वह सुदृढ़ कवच है, जो बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखता है।

परिवार की संरचना सदियों से बदल रही है, लेकिन उसका मूल मर्म आज भी प्रेम, सहयोग और जिम्मेदारी ही है। 1980 के दशक से संयुक्त राष्ट्र ने पारिवारिक मुद्दों पर ध्यान दिया, जिसके चलते 1994 से यह दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन परिवारों को प्रभावित करने वाली सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय चुनौतियों की याद दिलाता है। आधुनिक युग में न्यूक्लियर परिवार बढ़े हैं, फिर भी संयुक्त परिवार की गर्मजोशी कई संस्कृतियों में बरकरार है। भारत में जहां %परिवार% शब्द ही संस्कृति का पर्याय है, यह दिवस हमें सिखाता है कि परिवार सिर्फ रक्त के रिश्ते नहीं, बल्कि भावनात्मक बंधन है। 2026 की थीम ÷परिवार, असमानताएँ और बाल कल्याण÷ दर्शाती है कि सशक्त परिवार ही समानता और बच्चों के सुरक्षित भविष्य का मार्ग बनाते हैं।

परिवार व्यक्ति के विकास की पहली पाठशाला है, जहाँ बच्चा भाषा के साथ संस्कार, नैतिकता और संघर्ष की क्षमता सीखता है। शोध बताते हैं कि मजबूत पारिवारिक सहारे वाले बच्चे चुनौतियों का सामना अधिक दृढ़ता से करते हैं। चंद्रयान-3 मिशन के दौरान वैज्ञानिकों के परिवारों ने लगातार समर्थन देकर लंबे कार्यदबाव में उनका मनोबल बनाए रखा–यह परिवार की अदृश्य शक्ति का उदाहरण है। परिवार आत्मविश्वास का आधार है, जो गिरने पर संभालता है और डर में हिम्मत देता है। इसके अभाव में बच्चे अकेलेपन और मानसिक तनाव से जूझ सकते हैं। इसलिए परिवार दिवस हर बच्चे के लिए इस सहारे की आवश्यकता याद दिलाता है।

दौड़ती-भागती आधुनिक जिंदगी ने परिवारों के सामने कई नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। शहरीकरण, काम का दबाव, सोशल मीडिया और आर्थिक असमानताएँ रिश्तों में दूरी बढ़ा रही हैं। कई माता-पिता रोज़गार के कारण बच्चों से दूर रहते हैं, जिससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर होता है। बढ़ती विषमताएँ गरीब परिवारों को शिक्षा और स्वास्थ्य से वंचित कर देती हैं। फिर भी कुछ परिवार इन हालात में मजबूत बनकर उभरते हैं। महामारी के दौरान कई परिवारों ने साथ रहकर संकट झेला–बच्चों ने ऑनलाइन पढ़ाई की, माता-पिता ने घर से काम किया। यह दिखाता है कि एकजुट परिवार कठिन समय में बड़ी शक्ति बनता है। परिवार टूटने से समाज में अपराध, अवसाद और अस्थिरता बढ़ती है, जो विकास को भी प्रभावित करती है।

राष्ट्र की नींव परिवारों पर ही टिकी होती है। सशक्त परिवार जिम्मेदार नागरिक गढ़ते हैं, जो देश के विकास में योगदान देते हैं। आर्थिक रूप से परिवार उपभोक्ता बनकर बाजार को गति देते हैं और मानव संसाधन भी तैयार करते हैं। बच्चों के कल्याण की शुरुआत परिवार से होती है–पोषण, शिक्षा और नैतिक दिशा यहीं मिलती है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि परिवार-केंद्रित नीतियाँ सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार हैं। भारत में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान भी परिवारों की भागीदारी से सफल हुए हैं। स्पष्ट है, स्वस्थ परिवार ही स्वस्थ समाज बनाते हैं; अन्यथा असमानताएँ बढ़ती जाएँगी। परिवार दिवस हमें यही सिखाता है कि नीतियों में परिवार को प्राथमिकता दी जाए।

तुर्की और सीरिया के हालिया भूकंप ने दुनिया को यह दिखाया कि टूटते मलबे के बीच भी परिवार की डोर नहीं टूटती–माँ ने बच्चों को बचाने के लिए घंटों उन्हें अपनी बाहों में थामे रखा, यह दृश्य वैश्विक संवेदना का प्रतीक बना। इसी तरह केरल के निपाह संकट में अस्पताल में भर्ती माता-पिता ने दूरी के बावजूद बच्चों की पढ़ाई और मानसिक साहस बनाए रखने के लिए लगातार संपर्क साधा। भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में भी अनेक परिवार सीमित साधनों के बीच शिक्षा को प्राथमिकता देकर बच्चों का भविष्य संवारते हैं। ये घटनाएँ साबित करती हैं कि परिवार केवल सामाजिक इकाई नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में भी जीवित रहने वाली गहरी भावनात्मक शक्ति है। मजबूत परिवार ही बच्चों को हर संकट में स्थिर रखते हैं और जीवन की हर परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

रिश्तों की नींव छोटे रोज़मर्रा के प्रयासों से मजबूत होती है। परिवार को सशक्त बनाने के लिए व्यावहारिक कदम जरूरी हैं। माता-पिता बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएँ और संवाद को प्राथमिकता दें। सरकारें परिवार-समर्थक नीतियाँ जैसे मातृत्व अवकाश, बाल देखभाल और आर्थिक सहायता लागू करें। स्कूलों में परिवार शिक्षा शामिल हो ताकि संबंधों की समझ बढ़े। समुदाय स्तर पर ऐसे कार्यक्रम हों जहाँ परिवार अनुभव साझा कर सीखें। डिजिटल युग में सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग भी रिश्तों को जोड़ सकता है। इन प्रयासों से असमानताएँ घटेंगी और बच्चों का कल्याण मजबूत होगा। अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल तिथि नहीं, बल्कि निरंतर सुधार का संकल्प है।

अंधकार के बीच जो निरंतर स्थिर प्रकाश बनकर मार्ग दिखाता है, वह परिवार ही है। इस अवसर पर संकल्प होना चाहिए कि हर घर को सशक्त और संवेदनशील बनाया जाए, हर बच्चे को स्नेह, सुरक्षा और सम्मान मिले तथा समाज में एकता और भरोसा लगातार मजबूत हो। मजबूत परिवार ही मजबूत राष्ट्र और सुदृढ़ दुनिया की नींव बनते हैं। यह केवल भावनात्मक विचार नहीं, बल्कि व्यावहारिक सत्य है–जैसे गहरी और मजबूत जड़ें पेड़ को हर तूफान, आंधी और विपरीत परिस्थितियों में भी टिकाए रखती हैं। यह दिन हमें गहराई से याद दिलाता है कि परिवार की शक्ति को केवल समझना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन में अपनाकर हर रिश्ते में सहेजना और आगे बढ़ाना ही सच्चा संकल्प है।

–कृति आरके जैन

राजकोषीय घाटा 5% तक पहुंचने की आशंका, पटरी से उतर सकता है देश का बजट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईंधन और सोने सहित कई वस्तुओं की खपत कम करने की अपील की है जिसके चलते देश में एक दिलचस्प बहस आरंभ हो गई है। प्रधानमंत्री की इस अपील के पीछे इरादा यह है कि आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम की जाए और विदेशी मुद्रा बचाई जाए। कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा होने के कारण हमारा चालू खाते का घाटा यानी सीएडी बढ़ रहा है। कुछ अर्थशास्त्री कह रहे हैं कि सीएडी चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के दो फीसदी से अधिक हो सकता है जबकि वर्ष 2025-26 में यह जीडीपी के एक फीसदी के भीतर था।

वैश्विक अनिश्चितता के कारण पूंजी भी देश से बाहर जा रही है। इसका नतीजा बाहरी खाते पर दबाव के रूप में सामने आ रहा है। रुपये के मूल्य में गिरावट में इसे महसूस किया जा सकता है। बाहरी खाते पर बहुत अधिक ध्यान है लेकिन पश्चिम एशिया संकट के केंद्रीय बजट पर पड़ रहे प्रभाव का आकलन भी आवश्यक है।

हालांकि, यह दलील दी जा सकती है कि वित्त वर्ष की शुरुआत में ही बजट मान्यताओं पर पुनर्विचार करना जल्दबाजी होगी। लेकिन इस चरण में समायोजन प्रक्रिया शुरू करना मददगार साबित होगा। केंद्र सरकार चालू वर्ष में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.3 फीसदी तक सीमित करने का लक्ष्य रख रही थी जो अब विभिन्न कारणों से कठिन लगता है। नई श्रृंखला में जीडीपी का आधार थोड़ा नीचे की ओर संशोधित किया गया है।

सरकार ने तेल कंपनियों को राहत देने के लिए पेट्रोल और डीजल पर विशेष उत्पाद शुल्क कम कर दिया है, जिससे अनुमानित रूप से सालाना लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होगा।

यह भी बताया गया है कि उर्वरक सब्सिडी इनपुट कीमतों में वृद्धि के कारण 20 फीसदी तक बढ़ने के आसार हैं। इसके अलावा तेल कंपनियां जो कॉरपोरेट टैक्स और लाभांश के माध्यम से केंद्र सरकार के राजस्व में महत्त्वपूर्ण योगदान देती हैं, वे भी इस वर्ष अधिक योगदान नहीं कर पाएंगी। इन सभी तत्वों को मिलाकर यह संकेत मिलता है कि राजकोषीय घाटा बढ़कर जीडीपी के लगभग 5 फीसदी तक जा सकता है।

गौर करने की बात यह है कि ऊंचे ईंधन मूल्य और सीमित गैस उपलब्धता आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित कर रहे हैं। इससे कुल कर संग्रहण कम हो सकता है और बजट पर और दबाव पड़ सकता है। हालांकि वास्तविक वृद्धि दर दबाव में है, लेकिन अपेक्षित उच्च मुद्रास्फीति दर सामान्य वृद्धि दर को ऊपर धकेल सकती है और बजट पर संकट के कुछ दुष्प्रभावों को सीमित कर सकती है। बजट पर अंतिम प्रभाव इस पर निर्भर करेगा कि कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति कितने समय तक बाधित रहती है। वर्तमान स्थिति में यह स्पष्ट नहीं है कि होर्मुज स्ट्रेट कितने समय तक अवरुद्ध रहेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि उसके खुलने के बाद भी सामान्य आपूर्ति बहाल होने में समय लग सकता है। इससे कीमतें कुछ समय तक ऊंची बनी रहेंगी।

–सुनील कुमार महला

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार 'हम' की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है।

वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे ÷अहिंसा की प्रयोगशाला÷ बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी।

जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

–ललित गर्ग

आर्थिक अनुमानों में विरोधाभास! क्या वाकई सुरक्षित है भारत का 'मिडिल क्लास' और घरेलू बजट?

पश्चिम एशिया के संघर्ष और वैश्विक स्तर पर ऊर्जा के मोर्चे पर अनिश्चितता के बावजूद, नीति-निर्माता यह स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि घरेलू खपत इस उथल-पुथल के बीच हमारी सबसे बड़ी मजबूत कड़ी बनेगी। शेयर बाजार चढ़ता और गिरता रहा है और इसको लेकर एक कथ्य यह है कि ये केवल अस्थायी झटके हैं और यह चरण भी जल्द ही गुजर जाएगा।

भारतीय रिजर्व बैंक के मार्च 2026 के उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण बताते हैं कि देश के शहरी और ग्रामीण उपभोक्ता कुछ असंतुष्ट जरूर हैं लेकिन भरोसे में किसी गंभीर गिरावट के संकेत नहीं देते और उन्हें विश्वास है कि अगला साल आज से बेहतर होगा। हालांकि दोनों ही तरह के उपभोक्ता, दिशात्मक आधार पर सर्वेक्षण में अर्थव्यवस्था और रोजगार को लेकर विश्वास में कमजोरी दिखाते हैं।

शहरी उपभोक्ताओं की भावना पिछले एक साल से नकारात्मक रही है जबकि ग्रामीण उपभोक्ता अब लगभग सकारात्मक क्षेत्र में हैं। ग्रामीण भारत में आय को लेकर अपेक्षाएं स्पष्ट रूप से कमजोर हुई हैं जबकि शहरी भारत में यह थोड़ी गिरावट के साथ अब भी मामूली रूप से सकारात्मक बनी हुई है।

इसके बावजूद उपभोक्ता अपनी खर्च करने की योजना, यहां तक कि गैर-जरूरी खर्च में पीछे नहीं हट रहे। अगले साल के लिए, अर्थव्यवस्था, रोजगार और गैर-जरूरी खर्च को लेकर अपेक्षाओं में स्पष्ट सुधार देखने को मिलता है और आय की उम्मीद में और भी बड़ी तेजी है। मूल्य वृद्धि की धारणा में भी हल्का सुधार देखा गया है।

लेकिन इस आशावादी तस्वीर में जो सबसे बड़ी कमी नजर आती है वह है उन लोगों से भविष्य के संकेतों की कमी जो भारत की अर्थव्यवस्था को इस उथल-पुथल से आगे ले जा रहे हैं। तेल आयात पर हमारी निर्भरता और संभावित संरचनात्मक बदलाव को देखते हुए, यह कहना कि यह केवल अस्थायी झटके हैं और पुरानी स्थिति सामान्य तौर पर बहाल हो जाएगी, यह सब यथार्थ के करीब नहीं लगता।

हमारी अर्थव्यवस्था पर असर न हो यह संभव नहीं, ऐसे में सरकारों की यह चुप्पी रणनीतिक हो सकती है क्योंकि उन्होंने शायद पहले से ही मुकाबला करने की योजनाएं बनाई हों और उपभोक्ताओं या कारोबारों को डराने वाली खबरों से बचाना चाह रहे हों।

किन नीतिगत कदमों के आधार पर घर के बजट पर किस प्रकार का दबाव पड़ सकता है, इसके बारे में अनुमान न होने से उपभोक्ता और कमजोर तथा असुरक्षित हो जाते हैं। इसका असर यह होता है कि उपभोक्ताओं को अपने बजट और खर्च की नीतियां खुद तय करनी पड़ती हैं। उन्हें अचानक आने वाले झटकों को समायोजित करना और जल्दी निर्णय लेना पड़ता है। उच्च-आय वर्ग वाले परिवार जो अक्सर घरेलू खर्च और बचत में सबसे ज्यादा असर डालते हैं, वे कम प्रभावित होते हैं क्योंकि उनके पास पर्याप्त भंडार और आय के स्थिर तरीके होते हैं।

उनका कुल खर्च सामान्यतः बना रहेगा या केवल स्थगित होगा। फिर भी, उनके खर्च और बचत के विकल्पों में बदलाव हो सकता है, जिससे कुछ क्षेत्रों और प्रमुख कंपनियों के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा साथ ही रोजगार, उपभोक्ता विश्वास और निवेश की गति में सुधार पर असर पड़ेगा।

कम आमदनी वाले परिवारों के लिए यह माना जाता है कि सरकार की सुरक्षा का दायरा जारी रहेगा फिर भी, हमें इस बारे में कोई संकेत नहीं मिले हैं कि इसमें कोई बदलाव होगा या इसका उनके जीवन और खर्च पर क्या असर पड़ेगा। सबसे अधिक प्रभावित होने वाले परिवार वे हैं जो आय के हिसाब से मध्य 50 फीसदी में आते हैं। यह आर्थिक रूप से नाजुक, मेहनती और महत्त्वाकांक्षी मध्य वर्ग वाला भारत है।

इसे हम कम से कम अगली पीढ़ी में एक स्थिर और सशक्त मध्य वर्ग में बदलने की उम्मीद रखते हैं। यही वह वर्ग है जिसे अच्छे समय में ऋण लेकर खर्च करने, आवास और शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। लेकिन भविष्य में क्या हो सकता है इसका अंदाजा लगाने के लिए इस वर्ग के पास साधन नहीं हैं।

आर्थिक संकट के प्रारंभिक चेतावनी संकेतों जैसी जानकारी इस वर्ग तक पहुंचने में भी देर होती है, क्योंकि इनके नियोक्ता, उनके नियोक्ताओं के नियोक्ता या यहां तक कि ग्राहक भी ज्यादातर अनौपचारिक या अंशकालिक काम (गिग) वाली अर्थव्यवस्था में शामिल हैं। स्विगी या जेप्टो के डिलीवरी कर्मी और उबर ड्राइवर, जो औपचारिक गिग अर्थव्यवस्था में काम करते हैं, वे भी अपने भविष्य की आय के संकेत पकड़ने में सक्षम नहीं हैं।

उपभोक्ता विश्लेषकों का यह व्यंग्यात्मक और सही कथन है कि यह बड़ा वर्ग हमारी राजनीति के मूल में है लेकिन यह वित्तीय संस्थानों में गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) के आंकड़ों में ही मायने रखता है जिसके लिए प्रावधान होता ही है।

फिर भी, यह 'मध्य 50 फीसदी' वाले राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता के लिए और विकसित भारत की दिशा में गति बनाए रखने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। इन्हें तात्कालिक भविष्य के बारे में वही सम्मान और अनुमान मिलना चाहिए जैसा कि उन्हें लंबे समय की योजना और संभावनाओं के लिए दिया जा रहा है।

किस प्रकार का शांतिपूर्ण अनुमान उपयोगी हो सकता है? सबसे पहले, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि किन परिस्थितियों में और क्यों ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं और इसका सामान्य मूल्य वृद्धि, सब्सिडी, गैस, पेट्रोल, डीजल और ऋण की उपलब्धता पर क्या असर पड़ेगा।

दूसरा, अगर ऊर्जा की अधिक लागत बनी रहती है तब यह बताया जाना चाहिए कि इसका कितना बोझ आम आदमी को उठाना पड़ेगा। इससे मध्य-आय वाला भारतीय उपभोक्ता आज से ही अपने वित्तीय निर्णय और योजनाएं, बेहतर तरीके से बना सकेगा। इसके अलावा, बड़े और छोटे कृषि व्यवसायों तथा छोटे उद्यमों के लिए इस तरह के अनुमान कि किस तरह के नीतिगत समर्थन की उम्मीद की जा सकती है, यह उनके लिए बेहद मूल्यवान होगा।

अब तक सरकार के कथ्य, लंबी अवधि में भारत के अनिवार्य उत्थान, वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद स्थिरता और सकारात्मक सोच पर केंद्रित रहे हैं। लोगों और छोटे कारोबार को बड़े सपने देखने, साहसिक कदम उठाने और आत्मनिर्भरता, कौशल निर्माण आदि के जरिये अपनी स्थिति बदलने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। संदेश यह है कि राज्य पारिस्थितिकी तंत्र और बुनियादी ढांचा बनाएगा लेकिन नागरिकों को अपनी जिंदगी की जिम्मेदारी लेनी होगी। ऐसे कथ्य के बीच, निकट भविष्य के बारे में स्पष्ट अनुमान और भी जरूरी हो जाता है।

–धनंजय राजौरा

संत रविदास स्वरोजगार योजना से बदली शुभम की जिंदगी

फोटोकॉपी एवं एमपी ऑनलाइन सेंटर खोलकर बने आत्मनिर्भर, एक युवक को दिया रोजगार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। देवास निवासी शुभम सिरोंजिया ने 'संत रविदास स्वरोजगार योजना' का लाभ लेकर अपने जीवन को नई दिशा दी है। कभी शिक्षित बेरोजगार रहे शुभम आज सफल व्यवसायी बनकर न केवल अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं।

शुभम सिरोंजिया को जिला अंत्यावसायी विभाग से 'संत रविदास स्वरोजगार योजना' की जानकारी मिली। योजना की पात्रता और लाभ समझने के बाद उन्होंने फोटोकॉपी एवं एमपी ऑनलाइन सेंटर स्थापित करने के लिए आवेदन किया। आवेदन के परीक्षण के बाद जिला अंत्यावसायी विभाग ने प्रकरण को वित्तीय सहायता हेतु पंजाब नेशनल बैंक, स्टेशन रोड शाखा देवास को भेजा।

बैंक द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए शुभम के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई और उन्हें एक लाख रुपये का ऋण प्रदान किया गया। ऋण राशि मिलने के बाद शुभम ने देवास में अपना फोटोकॉपी एवं एमपी ऑनलाइन सेंटर शुरू किया, जो आज सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है।

इस व्यवसाय से शुभम को हर महीने सभी खर्चों के बाद करीब 10 हजार रुपये की शुद्ध आय हो रही है। साथ ही उन्होंने अपने सेंटर में एक अन्य व्यक्ति को भी रोजगार उपलब्ध कराया है। शुभम नियमित रूप से बैंक की किश्त जमा कर रहे हैं। जिला अंत्यावसायी विभाग द्वारा उन्हें शासन के नियमानुसार ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज की सुविधा भी दी जा रही है, जिससे उनके व्यवसाय पर वित्तीय बोझ कम हुआ है।

शुभम ने अपनी सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस योजना ने उनके जैसे अनेक युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है।

बद्री धाम एक्सटेंशन के बच्चों ने जनसुनवाई में उठाई गार्डन सुधार की मांग

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बद्री धाम एक्सटेंशन कॉलोनी के बच्चों ने मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचकर जिला कलेक्टर ऋतुराज सिंह को आवेदन सौंपते हुए क्षेत्र के सार्वजनिक गार्डन की मरम्मत एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

बच्चों ने आवेदन में बताया कि कॉलोनी का गार्डन लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। यहां लगे झूले टूट चुके हैं, नियमित साफ-सफाई नहीं होने से गंदगी फैली रहती है और रात के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने से सुरक्षा संबंधी परेशानी बनी रहती है। बच्चों ने यह भी बताया कि वे प्रतिदिन यहां खेल गतिविधियों एवं शाखा का संचालन करते हैं, लेकिन अव्यवस्थाओं के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

आवेदन के माध्यम से बच्चों ने गार्डन में नए झूले और खेल उपकरण लगाने, नियमित साफ-सफाई एवं माली की व्यवस्था करने, बैठने के लिए बेंच लगाने तथा पर्याप्त लाइट की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

इस दौरान हर्षित जायसवाल, लक्ष्य बोडे सहित पूरी कॉलोनी के बच्चे उपस्थित रहे। बच्चों की इस जागरूक पहल की स्थानीय नागरिकों ने सराहना करते हुए प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि गार्डन का उचित रखरखाव होने से यह बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित एवं बेहतर स्थान बन सकेगा।

सहजयोग परिवार के कुण्डलिनी जागरण में नागरिकों ने किया आत्मानुभव

परमात्मा कि शक्ति को प्राप्त कर सकते है सहजयोग ध्यान से

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहजयोग परिवार देवास द्वारा आयोजित मधुबन कालोनी में तीन दिवसीय सहजयोग ध्यान का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें कुण्डलिनी जागरण एवं आत्मसाक्षात्कार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधकों ने हिस्सा लिया और आत्मसाक्षात्कार (सेल्फीरेलिजेशन) का अनूठा अनुभव प्राप्त किया। इस अवसर पर पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में मानव शरीर में उपस्थित चक्रों एवं नाडियों की विस्तृत जानकारी दी। आत्मसाक्षात्कार की क्रिया देवास से आए वरिष्ठ सहजयोगी श्री जीतेन्द्र शर्मा जी ने करवाई। कार्यक्रम का शुभारंभ माताजी निर्मलादेवी के समक्ष उस क्षेत्र के वरिष्ट श्री चौधरी द्वारा दीप प्रज्वलीत कर किया गया। इस अवसर पर सहजयोगी जितेंद्र शर्मा जी ने बताया कि सहजयोग एक ध्यान पद्धति है जिसमें कुण्डलिनी शक्ति को जागृत कर आत्मज्ञान की अनुभूति प्राप्त कर सकते हैं। यह परमात्मा की शक्ति की अनुभूति प्राप्त करने का सरलतम मार्ग है, जिसके द्वारा हम हमारे अंदर निहित रोग, विकार, तनाव एवं दुर्गुणों से छुटकारा पा सकते हैं। यह सभी आयु वर्ग के लोग, गृहस्थी में रहते हुए सहजयोग कर सकते हैं। देवास में अनेक स्थानों पर ध्यान केन्द्र संचालित होते हैं जिसमें प्रति सप्ताह सहजयोग की निःशुल्क जानकारी दी जाती है एवं ध्यान कराया जाता है। उन्होंने ने बताया कि आज के समय में लोगों के मन में असंतोष के भाव हावी होते जा रहे हैं ऐसे में सहजयोग ऐसा माध्यम है जो जीवन की दिशा बदल सकता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत खेरियाजागीर तालाब से गाद निकालने का कार्य किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में देवास जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाकर जल संकट के समाधान और भू-जल स्तर में सुधार के उद्देश्य से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है।

अभियान के तहत जनपद पंचायत सोनकच्छ की ग्राम पंचायत खेरियाजागीर में तालाब से मिट्टी निकालने का कार्य किया जा रहा है। तालाब के गहरीकरण से जल संग्रहण क्षमता बढ़ेगी और भविष्य में जल संकट से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दीवारों पर जल जागरूकता संबंधी स्लोगन लिखे जा रहे हैं। साथ ही कुएं-बावड़ियों की साफ-सफाई कर उन पर जल संरक्षण संबंधी संदेश लिखकर जल संचय के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

नवनियुक्त भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष का ग्राम जामगोद में भव्य स्वागत

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष टिकेंद्र प्रताप सिंह बरखेड़ा का हाटपीपल्या विधानसभा क्षेत्र के राजोदा मंडल अंतर्गत ग्राम जामगोद में भव्य स्वागत किया गया। मोहित शर्मा मित्र मंडल द्वारा आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें नवीन दायित्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष रविन्द्र सिंह ठाकुर, भाजपा महामंत्री शेखर कुमावत सहित राजोदा मंडल के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सभी ने विश्वास जताया कि टिकेंद्र प्रताप सिंह बरखेड़ा के नेतृत्व में किसान मोर्चा संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा। स्वागत समारोह के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती और आगामी गतिविधियों को लेकर भी चर्चा की। अंत में सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

नवतपा के पहले ही तप रहा शहर, पारा 44 के करीब

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नवतपा आने में अभी दो सप्ताह की देरी है, लेकिन उस समय गर्मी क्या कहर ढाएगी उसका ट्रेलर अभी से दिखाई देने लगा है। नगर में सुबह से ही दोपहरी जैसी गर्मी का एहसास हो रहा है। तो रात में भी गर्म हवाएं लोगों को खासा परेशान कर रही हैं। गर्मी का आलम ये है कि सुबह से शाम तक लोग कूलरों के सहारे बमुश्किल दिन गुजार पा रहे हैं।

कहते हैं नवतपा की गर्मी पिक पर रहती है और सूरज की चुभन असहनीय होती है। लेकिन नवतपा 25 मई से शुरू होगा, लेकिन पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से नगरवासी ऐसी भीषण तपन झेल रहे हैं। बुधवार को नगर का अधिकत तापमानप 44.7 व न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री दर्ज किया गयाय। जब अभी ये हालात हैं तो आगामी दिनों में गर्मी क्या कहर ढाएगी इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। हालांकि मौसम विभाग द्वारा एक-दो दिन में तापमान में कमी की संभावना जरूर जता रहा है। वहीं 16 मई से तमिलनाडू में तुफान आने की भी आशंका है जिसका असर नगर के मौसम में भी देखने को मिल सकता है। लेकिन फिलहाल गर्मी का कहर लोगों के लिए परेशानी बना हुआ है। इस गर्मी का असर बेजुबानों के लिए भी असहनीय साबित हो रहा है। जो सुबह से शाम तक खाने से ज्यादा पानी की तलाश में भटक रहे हैं। नगर की गौरक्षा सेना द्वारा भी इस भीषण गर्मी से बेजुबान जानवरों को बचाने के लिए फॉगर सिस्टम लगाया गया है ताकि उन्हें इस गर्मी से कुछ हद तक बचाया जा सके।

शहर में स्थापित 'आरआरआर' केंद्रों का निगम कर रहा है संचालन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगमायुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में शहर में आरआरआर केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को कपड़े और खिलौने निःशुल्क वितरित किए जाते हैं। आम नागरिक अपनी स्वेच्छा से यहां कपड़ों का दान कर सकते हैं। साईं मंदिर आश्रय स्थल, साईं मंदिर के पास प्रमुख केंद्र यहाँ आरआरआर केंद्र सक्रिय रूप से काम कर रहा है आरआरआर रिड्यूस, रीयूज, (रिसायकल) केंद्रों का संचालन नगर निगम द्वारा किया जा रहा है। इन केंद्रों पर प्रमुख रूप से नागरिकों से पुरानी किताबें, कपड़े, जूते, खिलौने और प्लास्टिक की वस्तुओं को एकत्रित कर उनका पुनः उपयोग किया जाता है। निगम प्र.कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती के द्वारा आरआरआर केंद्र का भ्रमण किया एवं अवलोकन के दौरान तैयारियों का जायजा लिया।

इनोवेटिव पब्लिक स्कूल और महाकाल कॉलोनी स्कूल में आरआरआर सेंटर का शुभारंभ किया गया है। जहां स्कूली बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। निगम की सहयोगी संस्था जरूरतमंदों तक सामान पहुँचाने में सहयोग करती है। आरआरआर टीम द्वारा नागरिकों से घर-घर जाकर पुरानी वस्तुएं एकत्र करने के लिए कलेक्शन वैन की व्यवस्था भी की गई है। इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य कचरे को कम करना पुरानी वस्तुओं का पुनः उपयोग को बढ़ावा देना और शहर को साफ एवं स्वच्छ, सुन्दर बनाना है।

स्वच्छता सर्वेक्षण आयुक्त ने की तैयारियों की समीक्षा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वच्छता सर्वेक्षण 2026 में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के लिए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आयुक्त दलीप कुमार ने मंगलवार को निगम कार्यालय में स्वच्छता अमले की समीक्षा बैठक लेकर झोन और वार्डवार किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उपायुक्तों, उपयंत्रियों, स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगाओं ने अपने-अपने झोन व वार्ड में सर्वेक्षण के मानक स्तर पर किए गए कार्यों की जानकारी दी साथ ही बचे हुए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई।

आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी वार्डों में नालों व नालियों की सफाई पर फोकस करें। वार्डों में पड़े सीएनडी वेस्ट को हटवाये जाने हेतु कहा। बैकलेन और सार्वजनिक मूत्रालयों की प्रतिदिन सफाई कर मूत्रालयों की दीवारों पर स्वच्छता संबंधी स्लोगन लिखें। आयुक्त ने कहा कि जिन स्थानों पर गाजर घास उगी है उसे हटाया जाए। सभी उद्यानों में पौधों की छंटाई कर कम्पोस्ट पीट का उपयोग किया जाए। वार्डों में पेड़-पौधों से निकलने वाले कचरे का उचित निपटान भी सुनिश्चित किया जाए। आयुक्त ने सभी उपयंत्री, स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगाओं को प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार शेष कार्य दी गई समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए ओर कहा कि आगामी साप्ताहिक बैठक में दिए गए निर्देशों की वार्ड वाईज सम्पूर्ण कराए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु कहा। उल्लेखनीय है कि गत सप्ताह भी आयुक्त ने स्वच्छता अमले को सर्वेक्षण के मानकों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए थे। उन कार्यो की समीक्षा आयुक्त ने की।

शिक्षक का मोबाइल हैक कर रिश्तेदारों से मांगे पैसे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी थाना क्षेत्र में एक शासकीय शिक्षक के साथ साइबर धोखाधड़ी हो गई। बदमाशों ने शिक्षक ईश्वरसिंह मालवीय का मोबाइल हैक कर उनके व्हाट्सएप के जरिए रिश्तेदारों और परिचितों से करीब 15 हजार रुपए ऐंठ लिए। पीड़ित ने बुधवार को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है।

बकानी में पदस्थ शिक्षक ईश्वर सिंह मालवीय ने बताया कि मंगलवार रात 8 बजे उनका मोबाइल अचानक हैक हो गया। इसके बाद उनके नंबर से परिचितों को मैसेज भेजे गए, जिसमें प्रधानमंत्री योजना की किस्त डालने और एक्सीडेंट का बहाना बनाकर पैसे मांगे गए। संदेशों के साथ क्यूआर कोड भी भेजा गया था ताकि लोग तुरंत भुगतान कर सकें। धोखाधड़ी के इन संदेशों को सच मानकर शिक्षक के कुछ रिश्तेदारों ने 2 हजार, 4 हजार और 5 हजार रुपए सहित कुल 15 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। परिचितों के फोन आने पर शिक्षकों को घटना की जानकारी लगी। पीड़ित ने बताया कि मोबाइल हैक होने के बाद फोन बंद भी नहीं हुआ।

साइबर हेल्पलाइन पर दर्ज कराई शिकायत- इसके बाद शिक्षक ने तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर काल कर अपनी शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि विभागीय कार्यों के लिए वे वाट्सऐप का अधिक उपयोग करते थे, जिसका फायदा उठाकर बदमाशों ने यह किया। पुलिस अब तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

देवास पुलिस की अपराध समीक्षा बैठक में कन्नौद अव्वल, यातायात पुलिस को मिला सर्वश्रेष्ठ पुलिसकर्मी सम्मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद की अध्यक्षता में मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम में अप्रैल माह की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सौम्या जैन, सभी एसडीओपी, थाना/चौकी प्रभारी एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

बैठक में पुलिस अधीक्षक गेहलोद ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने, रात्रि गश्त व नाकाबंदी मजबूत करने, त्त्क्र कोड फीडबैक सिस्टम का अधिकतम उपयोग बढ़ाने, FIR से लेकर ट्रायल तक तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा जुआ-सट्टा व अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही ऑपरेशन त्रिनेत्रम, साइबर जागरूकता अभियान और डायल-1930 के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया।

अप्रैल माह के प्रदर्शन के आधार पर जारी रैंकिंग में थाना कन्नौद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि टोंकखुर्द दूसरे और उदयनगर तीसरे स्थान पर रहा। अनुभाग स्तर पर भी कन्नौद ने पहला स्थान हासिल किया। इसके लिए एसडीओपी कन्नौद आदित्य तिवारी और थाना प्रभारी कन्नौद तहजीब काजी को सम्मानित किया गया।

यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक पवन बागड़ी को सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी, द्ग-छ्रक्र पोर्टल पर समयबद्ध प्रविष्टि, कैशलेस उपचार व्यवस्था, राह-वीर योजना के क्रियान्वयन और सड़क सुरक्षा अभियानों में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ पुलिसकर्मी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके प्रयासों से जिले में वर्ष 2026 के पहले चार माह में पिछले वर्ष की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में 18 प्रतिशत और मृत्यु दर में 25 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

थानों की कुल 25 पैरामीटर पर आधारित रैंकिंग में कन्नौद के बाद टोंकखुर्द, उदयनगर, खातेगांव, औद्योगिक क्षेत्र, बरोठा, सतवास, सोनकच्छ, नेमावर, हाटपीपल्या, हरणगांव, बैंक नोट प्रेस, विजयागंज मंडी, बागली, कमलापुर, भौरांसा, कोतवाली, सिविल लाइन, पीपलरावां, नाहर दरवाजा और कांटाफोड़ शामिल रहे।

बैठक के अंत में पुलिस अधीक्षक ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए सभी को कार्य की गुणवत्ता और गति और अधिक बेहतर करने के निर्देश दिए।

नवविवाहिता की आत्महत्या के 10 दिन बाद पति पर केस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी थाना क्षेत्र में नवविवाहिता की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने 10 दिन बाद पति के खिलाफ प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण का मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई एसडीओपी शाजापुर द्वारा की गई मर्ग जांच के बाद सामने आई। पुलिस के अनुसार काशीनगर निवासी 24 वर्षीय मोनिका पति संतोष शर्मा की मौत 3 मई 2026 की रात फांसी लगाने से हुई थी। घटना की सूचना मृतक के रिश्तेदार विक्रम सिंह पंवार ने पुलिस को दी थी। सूचना में बताया गया कि संतोष शर्मा ने फोन कर कहा था कि मोनिका ने फांसी लगा ली है। मौके पर पहुंचने पर परिजनों ने मोनिका को मृत अवस्था में पाया। मामले में थाना लालघाटी में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। चूंकि मृतिका की मृत्यु विवाह के सात वर्ष के भीतर असामान्य परिस्थितियों में हुई थी, इसलिए नियमानुसार नायब तहसीलदार द्वारा शव का पंचायतनामा तैयार कराया गया तथा जिला अस्पताल शाजापुर में पोस्टमार्टम कराया गया।

विधायक से देखी नहीं गई पीड़ित परिवार की पीड़ा, घर पहुंचकर दूर कर दी समस्या

प्रशासन ने स्वीकृत किया था 70 हजार रू. मुआवजा, विधायक ने हाथों हाथ दी 1 लाख 20 हजार रू. की सहायता

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनप्रतिनिधियों के बारे में आम धारणा है कि उनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर होता है, लेकिन शाजापुर विधायक ने आमजनों के इस मिथक को तोड़ दिया है, जिन्होंने इंसानियत की वो मिसाल पेश की जिसे लोग कभी नहीं भूल पाएंगे, जिन्होंने पहले तो पीड़ित परिवार को ढाढस बंधाया। इसके बाद मौके पर ही पीड़ित परिवार की सारी पीड़ा को दूर करते हुए मौके पर ही 1 लाख से अधिक की सहायता राशि मुहैया करवा दी।

दरअसल सोमवार शाम को काछीवाड़ा निवासी बसंतीबाई कुशवाह के घर में शार्ट सर्किट से आग लग गई थी। इस आगजनी में उनका सारा घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया था। हालात ये थे के आगे के जीवन बसर के लिए उनके पास कुछ नहीं बचा था। परिवार की आस थी तो प्रशासन से मिलने वाली सहायता, जिसमें अधिकारियों के अनुसार 15 से 20 दिन का समय लग सकता था। ऐसे में पीड़ित परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया। इस बात की जानकारी जब विधायक अरूण भीमावद को मिली तो वे खुद पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने राते-बिलखते परिजनों को ढाढस बंधाया और कहा कि जब मैं हूं तो किस बात की चिंता। इसके बाद उन्होंने पीड़ित परिवार से आगजनी में हुए नुकसान की जानकारी जुटाई जो कुल मिलाकर 1 लाख से अधिक था। इसके बाद उन्होंने मौके पर उपस्थित एसडीएम मनीषा वास्कले से पूछा कि इन्हें मुआवजा कब और कितना मिलेगा। इस पर उन्होंने बताया कि करीब 60 से 70 हजार रू. मिल सकता है जिसमें 15 से 20 दिन का समय लगेगा। इस पर विधायक ने कहा कि जब तक राशि नहीं मिलेगी यह परिवार जीवन यापन कैसे करेगा। इसके बाद उन्होंने बिना देर किए भाजपा नगर अध्यक्ष व सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर व निजी सचिव प्रदीप व्यास से कहा कि इस परिवार को अभी के अभी 1 लाख 20 हजार रू. का घरेलू सामान दिलवाओ। यही नहीं उन्होंने पीड़ित परिवार से कहा कि यह कुछ भी नहीं है। आपके लिए मेरे दरवाजे हमेशा खुले हैं। कभी भी कोई जरूरत हो आप कभी भी मुझसे संपर्क कर सकते हैं।

लोगों ने की सराहना, करतल ध्वनि से विधायक का जताया आभार- जब घटना हुई थी उस समय पड़ोसियों ने आगे आकर आग बुझाने में उनकी सहायता की थी। आगजनी से हुए घर के हालात देखकर हर कोई चिंतित था कि अब यह परिवार अपना जीवन-बसर कैसे करेगा। लेकिन जब विधायक ने मौके पर पीड़ित परिवार को घरेलू सामान दिलानपे को कहा और हर समय उनकी मदद करने का भरोसा दिलाया तो वहां मौजूद हर व्यक्ति विधायक की इस पहल पर गदगद हो उठा और सभी ने करतल ध्वनि से विधायक अरूण भीमावद का आभार व्यक्त किया।

24 घंटे के अंदर बस गई गृहस्थी- विधायक अरूण भीमावद ने मंगलवार रात को पीड़ित परिवार से मुलाकात कर अपने निज सचिव श्री व्यास व पंडित नागर को पीड़ित परिवार को गृहस्थी का सामान उपलब्ध कराने को कहा था। जिसके चलते बुधवार शाम को परिवार को साथ लेकर पं. आशीष नागर अपने साथियो के साथ दुकान पहुंचे और जो-जो नुकसान हुआ था वह सभी सामान परिवार को उपलब्ध करवाया। इस पर परिजनों ने विधायक अरूण भीमावद का आभार व्यक्त करते हुए पं. नागर सहित सभी समर्थकों को भी धन्यवाद दिया।

शिक्षा के शिखर पर हिमालया वर्ल्ड स्कूलः समर फेस्ट में दिखा बच्चों का अद्भुत हुनर

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनके आत्मविश्वास को गढ़ने का नाम है। इस बात को एक बार फिर चरितार्थ किया है क्षेत्र के अग्रणी शिक्षण संस्थान हिमालया वर्ल्ड स्कूल ने। विद्यालय द्वारा आयोजित ÷समर फेस्ट 2च26÷ का समापन समारोह न केवल भव्य रहा, बल्कि इसने नगर के सांस्कृतिक और शैक्षणिक आयोजनों के लिए एक नया मानक स्थापित कर दिया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके बाद मंच पर उतरी नन्हीं प्रतिभाओं ने अपनी नृत्य और समूह प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा। आज के डिजिटल युग में मोबाइल की लत के खिलाफ और वास्तविक खेलकूद व पारिवारिक रिश्तों की अहमियत समझाते इस नाटक ने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया। उपस्थित जनसमुदाय और अभिभावकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बच्चों के इस संदेश की सराहना की।

विद्यालय परिसर में आयोजित फन फेयर ने उत्सव के माहौल को दोगुना कर दिया। यहाँ लगे फूड स्टॉल्स, गेम ज़ोन, क्रिएटिव एक्टिविटी और टैटू स्टॉल्स पर बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी जमकर आनंद लिया। यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर उद्यमिता और टीम वर्क की भावना को जागृत करने का एक सफल प्रयास नजर आया।

पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान बच्चों के चेहरों पर जीत की चमक देखते ही बनती थी। कार्यक्रम में स्वतंत्र प्रेस क्लब अध्यक्ष मनीष शर्मा, धर्मेंद्र अग्निहोत्री, विनय नाहर, सचित बाहेती और मुकेश राठौर ने अपने कर-कमलों से बच्चों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। अतिथियों ने मुक्त कंठ से विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और बच्चों के मंच पर प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए इसे क्षेत्र का श्रेष्ठ संस्थान बताया।

विद्यालय के डायरेक्टर तेजेश जोशी एवं श्रीमती पूर्वी जोशी ने बच्चों की मेहनत को सराहा और दोहराया कि विद्यालय का ध्येय केवल अंक लाना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व को निखारना है। एकेडमिक डीन नमन मेहता ने रोबोटिक्स, उद्यमिता और तकनीकी शिक्षा जैसे आधुनिक विषयों के महत्व को रेखांकित किया, जो हिमालया वर्ल्ड स्कूल को अन्य स्कूलों से आगे खड़ा करता है। प्राचार्य समीर जॉन ने बच्चों के अनुशासन और आत्मविश्वास को इस सफल आयोजन का आधार बताया।

इस भव्य आयोजन के समापन के साथ ही हिमालया वर्ल्ड स्कूल ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह क्षेत्र में न केवल शिक्षा, बल्कि नवाचार और रचनात्मकता के क्षेत्र में भी सबसे अग्रणी है। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे ही बेहतरीन मंच प्रदान करने का संकल्प लिया।

गोलाना में कांग्रेस का फुका पुतला, भाजपा पदाधिकारी ने कांग्रेस का जलाया पुतला अगली बार निकलेंगे अर्थी कांग्रेस राम नाम सत्य हो

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई बुधवार को भारतीय जनता पार्टी जिला मंत्री श्रीमती चंदा वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने पर आज भाजपा द्वारा कांग्रेस का पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिला मंत्री श्रीमती चंदा वर्मा के नेतृत्व में नारी शक्तिद्धारा गोलाना नगर में बुधवार को 44 डिग्री तापमान में रैली निकाली गई तथा बस स्टैंड पर कांग्रेस पार्टी का पुतला दहन कर कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद मुर्दाबाद के नारे लगाए इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष महेंद्र गोवा मंडल प्रभारी नरेंद्र सिंह यादव मंडल महामंत्री भोजराज सिंह मेवाडा प्रकाश मेवाड़ा बाबूलाल जी हवारिया मीडिया प्रभारी रोशन मेवाड़ा आदि मौजूद थे मंडल प्रभारी श्री नरेंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस की रीति निति और कांग्रेस की दोहरी चाल को पूरा देश समझ चुका है कांग्रेस द्वारा नारी शक्ति बंधन अधिनियम का पूरजोर विरोध किया गया था जिसके चलते बुधवार को भारतीय जनता के पदाधिकारी एवं भाजपा की जिला.मंत्री चंदा वर्मा के नेतृत्व में पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया था पुतला दहन कार्यक्रम के बाद कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद मुर्दाबाद के नारे भी लगाए श्री यादव ने आगे बताया कि कांग्रेस अब पूरे देश में पुतलो में समट चुकी है पूरे देश में लोग दिल खोलकर नरेंद्र मोदी का समर्थन कर रहे हैं पिछले दिनों देश के पांच राज्य में संपन्न हुए चुनाव में तीन राज्य में एक बार फिर मोदी जी के नेतृत्व में पार्टी की ऐतिहासिक जीत हुई है जिससे वह बोखलहाट पर उतर आए कांग्रेस अब अनाप-शनाप बोलने पर उतारू हो गई है नारी शक्ति वंदन अधिनियम जो की देश की तमाम महिलाओं के पक्ष में अधिनियम था लेकिन इसका पुरजोर कांग्रेस द्वारा विरोध किया गया था जिसका आज भाजपा के पदाधिकारी द्वारा ईट का जवाब पत्थर से दिया गया।

लू से बचाव के लिए एडवायजरी जारी

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जन-समुदाय को लू (तापघात) के प्रकोप से बचने के लिए एडवायजरी जारी की गई है। एडवाइजरी में जन सामान्य को लू से बचाव हेतु अपनाई जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला गया है। एडवाइजरी के मुताबिक़ पानी, छांछ, ओ.आर.एस. का घोल या घर में बने पेय जैसे लस्सी, नीबू पानी, आम का पना का सेवन करने से लू से बचा जा सकता है। इसके साथ ही धूप में निकलते समय सिर ढककर रखना चाहिए। धूप में निकलते समय कपड़े, टोपी या छतरी का उपयोग करना चाहिए। धूप में निकलने के पूर्व तरल पदार्थ का सेवन करना चाहिए और शरीर में पानी की कमी नहीं होने देना चाहिए। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार सूर्य दाह या सनबर्न होने पर प्रभावित को त्वचा पर लाल चकता, सूजन, फफोले, सिरदर्द के लक्षण प्राप्त होने पर उसे बार-बार नहलाना चाहिए। यदि फफोले निकल आएं हो तो स्टरलाइज ड्रेसिंग करनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह लेना चाहिए। ताप के कारण शारीरिक ऐठन, पैर एवं पेट की मांसपेशियों तथा शरीर के बाहरी भागों में तकलीफ और अत्यधिक पसीना आने पर प्रभावित को तत्काल छाँवदार स्थल पर ले जाना चाहिए। शरीर का वह भाग जहां ऐंठन हो रही हो, उसे जोर से दबाना चाहिए और धीरे-धीरे सहलाना चाहिए।

जल उपभोक्ता संस्थाओं के अध्यक्ष एवं सदस्यों के निर्वाचन की अधिसूचना जारी

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना के अंतर्गत पाटन, शहपुरा, पनागर एवं गोरखपुर तहसील की सभी 30 जल उपभोक्ता संस्थाओं के अध्यक्ष एवं प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्यों के निर्वाचन की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार जल उपभोक्ता संस्थाओं के अध्यक्षों एवं प्रदेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्यों के लिए चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी नाम निर्देशन पत्र 18 मई से 22 मई तक संबंधित तहसील कार्यालय में प्रस्तुत कर सकेंगे। मतदान 05 जून को प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक संपन्न कराया जाएगा। निर्विरोध निर्वाचन परिणामों की घोषणा 28 मई को तथा मतदान परिणामों की घोषणा 08 जून को की जाएगी।

कार्यपालन यंत्री संगीता दिवारकर से प्राप्त जानकारी के अनुसार रानी अवंती बाई लोधी सागर, बांयी तट नहर संभाग क्रमांक-2, बरगी हिल्स, जबलपुर के कार्यक्षेत्र में जबलपुर जिले की तहसील पाटन, शहपुरा, पनागर एवं गोरखपुर में लगभग 60 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में सिंचाई प्रबंधन एवं कृषकों के साथ समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से 30 जल उपभोक्ता संस्थाएं गठित की गई हैं। इन संस्थाओं के माध्यम से 360 प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्य एवं 30 अध्यक्ष कृषकों के साथ समन्वय स्थापित कर सिंचाई जल का समुचित बंटवारा सुनिश्चित किया जाता हैं। वर्तमान में इन 30 जल उपभोक्ता संस्थाओं के 248 प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्यों एवं 30 अध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम को अनुमोदित कर दिया गया है तथा निर्वाचन कार्य के संचालन हेतु 11 मई को अधिसूचना जारी कर दी गई है। उक्त अधिसूचना तहसील पाटन, शहपुरा, पनागर एवं गोरखपुर के कमाण्ड क्षेत्र अंतर्गत आने वाली समस्त ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट मार्गदर्शन का परिणाम - काश्यप विद्यापीठ ने फिर रचा सफलता का नया अध्याय

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सी.बी.एस.ई. कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित होते ही काश्यप विद्यापीठ परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल छा गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि निरंतर परिश्रम, अनुशासित अध्ययन और श्रेष्ठ शैक्षणिक वातावरण सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं।

इस वर्ष विद्यालय के 40 विद्यार्थियों में से 34 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता अर्जित कर संस्था की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया। विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा हिमाद्री चांडक ने 95.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वहीं अनिक धोका ने 93.8त्न, काव्या जैन ने 90.8त्न तथा आयुष पाटीदार ने 90.4त्न अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की।

विशेष उपलब्धि के रूप में विद्यालय के छात्र अनिक धोका ने अकाउंटेंसी विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय देते हुए विद्यालय की उपलब्धियों में एक नया गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ा।

वाणिज्य संकाय में नूरुद्दीन बोहरा (88.8%), वासव सोलंकी (88.2%), आयुष गोस्वामी (85.6%), गायत्री पंवार (83.2%) तथा जाग्रव शर्मा (82%) ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। वहीं विज्ञान संकाय में खुशी पाटीदार ने 86.8त्न, गीतिका राठौर ने 76.8% तथा सिद्धिका जैन ने 74.4% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

काश्यप विद्यापीठ अपनी स्थापना के समय से ही उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के लिए पहचान बना चुका है। हर वर्ष विद्यार्थियों के बढ़ते परिणाम इस बात का प्रमाण हैं कि विद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं भविष्य निर्माण के प्रति भी पूर्णतः समर्पित है।

इस उपलब्धि पर प्राचार्य नंदा व्यास एवं समन्वयक विपिन जैन ने विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों की निष्ठा और अभिभावकों के सहयोग की सराहना करते हुए विद्यालय की ट्रस्टी श्रीमती नीता काश्यप के प्रेरणादायी मार्गदर्शन को सफलता का आधार बताया। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल एवं मंगलमय भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

होटलों की चकाचौंध छोड़ बस्ती पहुँचे युवाः मासूमों की मुस्कान के बीच मना प्रियांशी का जन्मदिन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खुशियाँ मनाने के तरीके बदल रहे हैं और यह बदलाव समाज के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है। जहाँ आज के दौर में युवा पीढ़ी अपना जन्मदिन महँगे होटलों और चकाचौंध भरी पार्टियों में मनाना पसंद करती है, वहीं बदनावर के कुछ युवा सेवा और समरसता की अनूठी मिसाल पेश कर रहे हैं। नगर की सेवार्थ सेतु फाउंडेशन से जुड़े युवा अब अपनी खुशियाँ झुग्गी-झोपड़ी और जरूरतमंद बस्तियों में जाकर उन बच्चों के साथ साझा कर रहे हैं, जिन्हें समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का इंतज़ार है।

इसी सेवा भाव की एक सुंदर तस्वीर हाल ही में देखने को मिली, जब फाउंडेशन की सदस्य प्रियांशी सुधीर चौहान ने अपना जन्मदिन एक जरूरतमंद बस्ती में जाकर मनाया। प्रियांशी ने किसी पार्टी के बजाय बस्ती के छोटे-छोटे बच्चों के बीच पहुँचकर उनके साथ केक काटा। जब उन्होंने अपने हाथों से बच्चों को केक, मिठाई, बिस्कुट और समोसे खिलाए, तो बच्चों की खुशी का ठिकाना न रहा। नन्हें बच्चे खुशी से नाचने और तालियाँ बजाने लगे, जिससे पूरी बस्ती उत्सव के माहौल में सराबोर हो गई।

संस्था की प्रमुख और सामाजिक कार्यकर्ता पारुल चौहान ने इस अवसर पर एक बहुत ही मर्मस्पर्शी बात कही। उन्होंने कहा, हमें उन परिवारों और लोगों तक स्वयं पहुँचना चाहिए जो संकोचवश हमारे पास नहीं आ पाते। हमारा उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि समरसता के माध्यम से इन परिवारों को समाज के साथ जोड़ना है। जब हम उनके बीच पहुँचते हैं, तो एक आत्मीय रिश्ता बनता है।

उल्लेखनीय है कि पारुल चौहान के नेतृत्व में सेवार्थ सेतु फाउंडेशन से बड़ी संख्या में युवा जुड़ रहे हैं। यह टीम केवल जन्मदिन ही नहीं, बल्कि समय-समय पर जरूरतमंदों को कंबल, कपड़े, साड़ियाँ, कॉपियाँ, पेन और स्वेटर जैसी आवश्यक सामग्रियाँ वितरित कर मानवता का धर्म निभा रही है। इस प्रेरणास्पद अवसर पर अश्विन, पूर्वा और संस्कृति सहित फाउंडेशन के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। बदनावर के युवाओं द्वारा शुरू की गई यह पहल आज पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन गई है, जो यह संदेश देती है कि असली खुशी दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में ही छिपी है।

गांव के लड़के ने रोइंग खेल में राष्ट्रीय स्तर पर जिले का मान बढ़ाया, पुलिस अधीक्षक ने अपने कार्यालय में युवा खिलाड़ी को मेडम पहनाकर किया सम्मान

आगर मालवा/भागीरथ देवड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम पिपलिया शाह पिछटी डेम के युवा व होनहार खिलाड़ी फैजल खान ने रोइंग खेल अकादमी भोपाल में रहकर प्रशिक्षण प्राप्त किया व मध्य प्रदेश की ओर से खेलते हुए अखिल भारतीय विश्वविद्यालय रोइंग खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2-4-26 से 10-4-26 तक लेक क्लब चंडीगढ़ में आयोजित की गई। जिसमें फैजल खान ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक और रजत पदक प्राप्त कर जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरांवित किया है फैजल खान की इस उपलब्धि पर दिलीप कुमार सोनी पुलिस अधीक्षक आगर मालवा द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया व उज्जवल भविष्य के लिए मंगल कामना कि है। इस अवसर पर रविन्द्र कुमार बोयट अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आगर उपस्थित रहे।

ब्लैक स्पॉट्स पर सड़क सुरक्षा को लेकर सुसनेर में पुलिस का निरीक्षण अभियान

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन में बुधवार को सुसनेर क्षेत्र के चिन्हित दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट्स का निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न संवेदनशील स्थलों का जायजा लेकर सड़क सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण में एनएचएआई मैनेजर संध्या टाले ने पुलिस अधिकारियों के साथ डाक बंगला सुसनेर, खेराना-खजूरी जोड़ सहित अन्य दुर्घटना संभावित स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क हादसों को कम करने के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, प्रभावी स्पीड कंट्रोल उपाय एवं अन्य आवश्यक संरचनात्मक सुधारों पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ब्लैक स्पॉट्स पर संकेतक बोर्ड, स्पीड ब्रेकर एवं यातायात नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि आमजन को सुरक्षित यातायात सुविधा मिल सके। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें आमजन की सहभागिता भी आवश्यक है। उन्होंने वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान सीएसपी मोतीलाल कुशवाह, अक्षय सिंह बैस, सूबेदार जगदीश यादव, एनएचएआई के इंजीनियर, संबंधित कॉन्ट्रैक्टर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पांडेय मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव मनोनीत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने संगठनात्मक विस्तार और कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। संघ के प्रांताध्यक्ष विजय मिश्रा ने बदनावर के सांदीपनि शासकीय नंदराम चोपड़ा उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत वरिष्ठ व्याख्याता प्रदीप शुकदेव पांडेय को उनकी कार्यक्षमता और अनुभव को देखते हुए प्रांतीय सचिव मनोनीत किया है।

नवनियुक्त प्रांतीय सचिव प्रदीप शुकदेव पांडेय न केवल एक उत्कृष्ट शिक्षाविद हैं, बल्कि वे राष्ट्रपति पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं। लंबे समय से शैक्षणिक और सामाजिक सेवाओं के साथ-साथ वे कर्मचारी संगठनों की गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। उनके पास विभागीय कार्यों का गहरा अनुभव है, जिसका सीधा लाभ अब प्रदेश भर के तृतीय वर्ग कर्मचारियों को उनके हितों और समस्याओं के निराकरण के रूप में मिलेगा।

अपनी नियुक्ति पर पांडेय ने संघ नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करूँगा। कर्मचारियों के हितों की रक्षा मेरी प्राथमिकता रहेगी। किसी भी कर्मचारी को विभागीय समस्या या अपने हक की लड़ाई के लिए सहायता की आवश्यकता होगी, तो मैं हर समय उनके लिए उपलब्ध रहूँगा।

पांडेय के प्रांतीय सचिव बनने पर प्रांतीय संरक्षक दीपक सुराणा और कैलाश चौधरी का आभार माना गया है। इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए धार जिला अध्यक्ष राकेशसिंह मेड़ा, प्रांतीय उपाध्यक्ष राजनाथ शर्मा, संभागीय अध्यक्ष संजय यादव, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शारदा डोडवा, बदनावर तहसील अध्यक्ष नारायण चौधरी सहित शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग के अनेक अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी है। प्राचार्य रियाजुउद्दीन शेख, पूर्व अध्यक्ष अरुण माथुर, देवनारायण गुजराती, ओ.पी. राठौर, हरिसिंह राठौर, जी.एल. सिर्वी, राकेश शर्मा, जगदीश सोलंकी, ऋषिराज शर्मा, अभय पाटीदार, मालव राजपुरोहित, लोकेश वर्मा, सुनीता बैरागी, भावना व्यास, मुकेश पुरोहित, रामचंद्र जाट एवं अन्य शिक्षक व कर्मचारी साथी शामिल रहे।

पीएम श्री नवोदय विद्यालय सुसनेर का कक्षा 12वीं सीबीएसई परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री नवोदय विद्यालय सुसनेर ने सीबीएसई बोर्ड कक्षा 12वीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 97 प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त किया है। विद्यालय की इस उपलब्धि से विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों में हर्ष का वातावरण है। विद्यालय के प्राचार्य अखिलेश कुमार पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के अथक परिश्रम, अभिभावकों के विश्वास एवं सहयोग तथा संपूर्ण विद्यालय परिवार के समर्पण का परिणाम है।उन्होंने विद्यालय के सभी अध्यापकों, कर्मचारियों, अभिभावकों एवं सहयोगी स्टाफ को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सभी के निरंतर प्रयास एवं मार्गदर्शन से विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल, सफल एवं स्वर्णिम भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त की हैं।

संक्रमण का खतरा बढ़ा, सुसनेर में सिविल अस्पताल के सामने खुले में पड़ा मिला मेडिकल कचरा

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के सिविल अस्पताल में मेडिकल वेस्ट के उचित निस्तारण को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। अस्पताल से निकलने वाला बायोमेडिकल कचरा खुले में फेंके जाने का मामला लगातार दूसरे दिन भी सामने आने से अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। बुधवार को मांगलिक भवन के पीछे एवं सिविल अस्पताल के सामने मेडिकल वेस्ट खुले में पड़ा मिला। जिससे क्षेत्र में संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ गई।

जानकारी के अनुसार अस्पताल से निकलने वाले उपयोग किए गए मेडिकल सामान, दवाइयों से संबंधित अपशिष्ट एवं अन्य बायोमेडिकल वेस्ट को निर्धारित प्रक्रिया के तहत नष्ट करने के बजाय खुले में कचरे के ढेर में डाल दिया गया था। गत दिन भी क्षेत्रवासियों ने जब कचरे के बीच मेडिकल वेस्ट पड़ा देखा तो इसकी सूचना नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी को दी। सूचना मिलते ही अध्यक्ष प्रदीप सोनी मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया। मौके पर मेडिकल वेस्ट खुले में पड़ा मिलने पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने अस्पताल के सफाई कर्मियों को फटकार लगाते हुए कहा कि मेडिकल वेस्ट का इस प्रकार खुले में फेंका जाना गंभीर लापरवाही है और इससे आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ सकता है। इसके बाद उन्होंने अस्पताल के डॉ बीबी पाटीदार से चर्चा कर पूरे मामले की जानकारी ली तथा मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के लिए तत्काल प्रभाव से व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए थे। बुधवार को फिर मेडिकल वेस्ट खुले में दिखाई दिया जिससे साफ है कि अस्पताल प्रशासन द्वारा मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों में इस घटना को लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर मेडिकल कचरे को खुले में फेंकना बेहद खतरनाक है। इससे संक्रमण फैलने के साथ-साथ आसपास रहने वाले लोगों और मवेशियों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा सकता है। नागरिकों ने प्रशासन से मामले में सख्त कार्रवाई करने एवं जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है। विशेषज्ञों के अनुसार बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण निर्धारित नियमों के तहत किया जाना अनिवार्य होता है। मेडिकल कचरे को खुले में छोड़ना स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन माना जाता है। ऐसे में लगातार सामने आ रही यह लापरवाही कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है। फिलहाल नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा अस्पताल प्रबंधन को तत्काल सफाई व्यवस्था सुधारने एवं मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। अब देखना होगा कि अस्पताल प्रशासन इस मामले में कितनी गंभीरता दिखाता है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

इनका कहना- पूर्व में भी मेडिकल वेस्ट खुले में मिलने का मामला सामने आया था, जिसके बाद सफाई कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि यह मेडिकल वेस्ट संभवतः कुछ निजी क्लिनिक एवं मेडिकल संचालकों द्वारा फेंका गया है। मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

-डॉक्टर राजीव बरसेना,
चीफ बीएमओ,सिविल अस्पताल सुसनेर

पाटन में कार्यशाला के साथ शुरू हुआ 'जल संचय जन अभियान' का आगाज

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में आज विकासखंड पाटन में जल संचय जन भागीदारी अभियान का विधिवत शुभारंभ हुआ। अनुविभागीय कृषि अधिकारी कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यशाला में क्षेत्र के प्रगतिशील कृषकों को जल संरक्षण की महत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला के प्रमुख बिंदु बोरवेल और कुआं पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन, मृदा और जल संरक्षण एवं सतही जल संरचनाएं मुख्य बिंदु रहे।

पूर्व पार्षद घर 32.50 लाख नगद समेत जेवरात पार

खिड़की तोड़कर घुसे चोर, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया मामला

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया नगर में चोरों के हौसले बुलंद हैं। अज्ञात बदमाशों ने पेट्रोल पंप संचालक के बेडरूम की खिड़की तोड़कर 32 लाख 50 हजार रुपये नगद और लाखों के सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिए। घटना की जानकारी बुधवार सुबह उस वक्त लगी जब परिवार जन बेडरूम का ताला खोलने पहुंचे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फरियादी लोकेंद्र उर्फ राहुल पिता राजेंद्र प्रताप सिंह मंडलोई ने अकोदिया थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वह खेती-किसानी के साथ पेट्रोल पंप का संचालन करते हैं। 12 मई 2026 को दिनभर घर पर ही थे। रात करीब 8:15 बजे खाना खाने के बाद 12:40 बजे बेडरूम का ताला लगाकर परिवार सहित हॉल में सोने चले गए। हॉल में पत्नी नैना, बहन श्वेता मेवाड़ा और दोनों भतीजियां वाणी व वैदेही सो रही थीं। परिवार करीब 1:30 बजे सो गया।

सुबह खोला ताला तो मंडलोई परिवार के उड़े होश - 13 मई सुबह 8 बजे जब बेडरूम का ताला खोला तो अंदर का गेट नहीं खुला। ड्राइवर महेश मेवाड़ा को बुलाकर पीछे की गली में जाकर देखा तो बेडरूम की जाली, मच्छर जाली और लोहे की रेलिंग टूटी मिली। एल्यूमिनियम की खिड़की का लॉक भी टूटा था। ड्राइवर को खिड़की से अंदर भेजा तो उसने बताया कि गेट की चिटकनी लगी है। चिटकनी खोलकर करीब 8:10 बजे अंदर गए तो होश उड़ गए।

32.50 लाख, अलमारी से जेवर चोरी- बेडरूम में ताण पर रखे बैग में रखे 500 के 64 गड्डी, 200 के 150 नोट और 100 के 200 नोट कुल 32 लाख 50 हजार रुपये नगद गायब थे। अलमारी के दरवाजे खुले थे। नीचे रखी अलमारी के ड्राअर बेड पर पड़े मिले।

चोर बहन श्वेता के सोने के हार-1, चेन-1, कान झुमकी-1 जोड़, अंगूठी-2, माता फूलकुंवर के हार-1, झुमकी-4 जोड़, अंगूठी-2, भाभी नीतू के हार-1, चेन-1, अंगूठी-2, झुमकी-1 जोड़ तथा भतीजी वाणी-वैदेही की सोने की झुमकी-5 जोड़ समेत अन्य पुराने आभूषण ले गए। फरियादी ने बताया कि आभूषणों की वास्तविक कीमत बिल देखकर बताएंगे।

पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस अलर्ट, FSL टीम ने जुटाए साक्ष्य

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। मौके पर फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और स्नस्रु विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को बुलाया गया ताकि साक्ष्य जुटाए जा सकें। एसडीओपी देशमुख के मुताबिक पुलिस को कुछ अहम सुराग मिले हैं जिनके आधार पर तफ्तीश जारी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नगर में चोरी की कोई नई घटना नहीं है आए दिन चोरी की घटना होती रहती है इससे पहले भी कई बार चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया लेकिन यहां चोरी पूरे क्षेत्र में जन चर्चा का केंद्र बनगई है स्थानीय पुलिस प्रशासन को उक्त मामले को गंभीरता से लेना चाहिए जबकि पुलिस थाना अकोदिया से 500 मीटर की दूरी पर ही पूर्व पार्षद राहुल मंडलोई का घर है जहां पुलिस की नाक के नीचे ही चोर अपना कमाल दिखा गई गए और पुलिस हाथ पर रखें हाथ रख कर बैठी रहती है।

कलेक्टर ने जिला महिला एवं नवजात शिशु चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने बुधवार जिला महिला एवं नवजात शिशु चिकित्सालय बड़वानी का औचक निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और प्रबंधकीय व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण किया और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया। कलेक्टर ने दवा वितरण केंद्र और सुमन हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया तथा एएनसी क्लिनिक में पंजीयन एवं पीआईएच प्रबंधन की स्थिति के सम्बन्ध में उपस्थित स्टाफ से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिये। चिकित्सालय में स्वच्छता और सुविधा पर जोर देते हुए श्रीमती सिंह ने पीएनसी वार्ड में साफ-सफाई के मानक बनाए रखने और मरीजों के परिजनों के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने पोस्ट ऑपरेटिव यूनिट, मदर न्यू बॉर्न केयर यूनिट के साथ-साथ इन-बॉर्न एवं आउट-बॉर्न यूनिट्स का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और स्टाफ को स्पष्ट किया कि मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। शिशु स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रुख अपनाते हुए कलेक्टर ने अस्पताल में भर्ती बच्चों की मृत्यु के कारणों का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऑइडेबल केसेस यानि जिन मामलों में मृत्यु को रोका जा सकता था, उन पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने चिकित्सा स्टाफ की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए बेहतर ट्रेनिंग सत्र आयोजित करने और सभी मृत्यु प्रकरणों की एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को न्यूनतम किया जा सके। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर, सिविल सर्जन, प्रभारी सीएमएचओ, समस्त स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा।

मोती सागर तालाब पर तैराकी एवं बाढ़ आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण आयोजित

आगर मालवा/भागीरथ देवड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए बाढ़ आपदा प्रबंधन की पूर्व तैयारियों के तहत राज्य आपदा मोचन बल भोपाल एवं संभागीय कार्यालय उज्जैन के निर्देशानुसार मोती सागर तालाब, आगर-मालवा में तैराकी एवं रेस्क्यू प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 09 मई 2026 से 17 मई 2026 तक संचालित किया जा रहा है।

डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट विक्रम सिंह, के मार्गदर्शन में प्लाटून कमाण्डर कविता सोलंकी द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में डीआरसी, क्यूआरटी आगर-मालवा, एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड के जवान भाग ले रहे हैं। तीन चरणों में आयोजित इस संयुक्त प्रशिक्षण में जवानों को विभिन्न तैराकी एवं रेस्क्यू विधाओं का अभ्यास कराया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान जवानों को बोट हैंडलिंग की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इसमें बोट संचालन, इंजन की कार्यप्रणाली, चप्पू से नाव चलाना, ओबीएम को बोट पर असेंबल करना, टोइंग मेथड जैसे चीन टो एवं हेड टो का अभ्यास कराया जा रहा है। साथ ही ब्रीथिंग एक्सरसाइज एवं नाव पलटने की स्थिति में बचाव संबंधी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

जवानों को लाईफ बॉय, लाईफ जैकेट एवं रस्सों की सहायता से बाढ़ प्रभावित एवं डूब क्षेत्र में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इम्प्रोवाइज मेथड के माध्यम से स्थानीय संसाधनों से बचाव उपकरण तैयार करने की विधियां भी सिखाई जा रही हैं। सुबह के समय अंडर वाटर रेस्क्यू की विभिन्न तकनीकों का अभ्यास भी कराया जा रहा है।

प्रशिक्षण में शामिल जवानों को सीपीआर, प्राथमिक उपचार, कैरी मेथड तथा रेस्क्यू उपकरणों के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि दुर्घटना अथवा बाढ़ की स्थिति में त्वरित कार्रवाई कर जनहानि एवं नुकसान को कम किया जा सके। आगामी मानसून को देखते हुए जिले में विभिन्न डीआरसी, क्यूआरटी एवं ईओसी टीमों को सक्रिय किया गया है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समस्त मंडी समितियों के विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में कृषि उपज मंडी समिति झाबुआ, पेटलावद एवं थांदला के विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडियों एवं उपमंडियों की मूलभूत व्यवस्थाओं, कार्यप्रणाली, अनुज्ञप्तिधारी व्यापारियों, तुलावटी, हम्मालों, कृषि उपज आवक, आय एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कृषि उपज मंडी समिति झाबुआ अंतर्गत झाबुआ, रामा एवं राणापुर तहसील क्षेत्र तथा उपमंडी राणापुर की जानकारी प्रस्तुत की गई। बताया गया कि समिति क्षेत्र में 249 अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी, 12 तुलावटी एवं 50 हम्माल कार्यरत हैं। साथ ही विगत वर्ष की तुलना में कृषि उपज आवक में 8.42 प्रतिशत तथा आय में 6.12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

बैठक में पारा में नई उपमंडी स्थापना हेतु भूमि आवंटन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन होने एवं उपमंडी राणापुर में 10 एमटी क्षमता का तौल कांटा स्थापित करने की प्रक्रिया जारी होने की जानकारी भी दी गई।

कृषि उपज मंडी समिति पेटलावद की समीक्षा के दौरान बताया गया कि बामनिया, सारंगी एवं करवड़ उपमंडियां वर्तमान में क्रियाशील हैं, जबकि झकनावदा में भूमि आवंटन की प्रक्रिया जारी है। समिति क्षेत्र में 242 अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी, 65 तुलावटी एवं 134 हम्माल कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त उपमंडी बामनिया में शेड विस्तार का प्रस्ताव एवं बामनिया तथा सारंगी में 10 एमटी क्षमता के तौल कांटे स्थापित करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। समिति में विगत वर्ष की तुलना में कृषि उपज आवक में 7.42 प्रतिशत तथा आय में 11.56 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

कृषि उपज मंडी समिति थांदला की समीक्षा में बताया गया कि समिति का कार्यक्षेत्र थांदला एवं मेघनगर तहसील सहित उपमंडी खवासा, मेघनगर एवं काकनवानी क्षेत्र तक विस्तृत है। समिति क्षेत्र में 138 अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी, 12 तुलावटी एवं 39 हम्माल कार्यरत हैं। विगत वर्ष की तुलना में कृषि उपज आवक में 9.93 प्रतिशत एवं आय में 14.74 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इस पर कलेक्टर ने आवक एवं आय में कमी के कारणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने सभी मंडी समितियों को आगामी अवधि में कृषि उपज आवक एवं आय में कम से कम 20 प्रतिशत वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मेघनगर में युवा संगम कार्यक्रम आयोजित, रोजगार एवं स्वरोजगार योजनाओं की दी जानकारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, शासकीय आईटीआई, आजीविका मिशन तथा शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित विभागों द्वारा संयुक्त रूप से युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला) कार्यक्रम का आयोजन सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेघनगर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मेघनगर द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में शासन की मंशानुसार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से निजी क्षेत्र की 06 कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार 51 युवाओं का प्राथमिक चयन किया गया। वहीं कार्यक्रम में कुल 75 युवाओं ने पंजीयन कराया। मेले में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की स्व-रोजगार योजनाओं की जानकारी युवाओं को प्रदान की गई। साथ ही स्वरोजगार, कौशल विकास एवं अप्रेंटिसशिप से संबंधित योजनाओं के बारे में भी विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। इस अवसर पर नगर परिषद मेघनगर द्वारा शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को 45 हजार रुपये की राशि के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, एनआरएलएम, सेडमेप, शासकीय आईटीआई एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, बैंक प्रबंधक, पत्रकारगण, विकासखंड प्रबंधक सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनगणना प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से संपादित करने तथा आमजन में जनगणना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कलेक्टर कार्यालय परिसर से जनगणना प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जनगणना जागरूकता हेतु रवाना किया गया यह प्रचार रथ आगामी सात दिवस तक जिले के विभिन्न नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को जनगणना के महत्व से अवगत कराएगा। साथ ही मकान सूचीकरण कार्य के दौरान प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को सहयोग प्रदान करने तथा नागरिकों से आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए भी लोगों को प्रेरित करेगा। प्रचार रथ के माध्यम से जनगणना संबंधी संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिससे आमजन में जागरूकता बढ़े तथा जनगणना कार्य सुचारू एवं प्रभावी रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मंडलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई, डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बडोले, जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती रीतिका पाटीदार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयों एवं सीएसआर गतिविधियों संबंधी बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र में संचालित औद्योगिक इकाइयों एवं कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) गतिविधियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र की व्यवस्थाओं, पर्यावरणीय मानकों, श्रमिक हितों तथा सीएसआर गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर द्वारा इकाईवार सीईटीपी (कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) संचालन के उपरांत प्रतिमाह प्राप्त होने वाले एफ्लुएंट की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी औद्योगिक इकाइयों को निर्देशित किया कि औद्योगिक अपशिष्ट (एफ्लुएंट) का समय पर एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप सीईटीपी में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखा जा सके।

कलेक्टर ने एमपीआईडीसी को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्र में निर्माणाधीन 50 केएलडी एवं 100 केएलडी क्षमता के दो सम्प वेल का कार्य आगामी 15 दिवस में पूर्ण किया जाए, ताकि अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

बैठक में महाप्रबंधक एमपीआईडीसी श्री राजेश भारती ने जानकारी दी कि मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र में वर्तमान में 21 औद्योगिक इकाइयाँ बंद पड़ी हुई हैं। इस पर कलेक्टर ने प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर बंद इकाइयों का नियमित निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी इकाइयों को नगरीय प्रशासन से फायर एनओसी प्राप्त करने तथा सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने औद्योगिक इकाइयों को ड्रेनेज व्यवस्था में आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए, ताकि वर्षा एवं अपशिष्ट जल निकासी की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि क्षेत्र में किसी नई औद्योगिक इकाई के प्रारंभ होने अथवा किसी इकाई के बंद होने की सूचना तत्काल प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान को औद्योगिक इकाइयों में नियमित रूप से सीओडी टेस्ट कराए जाने के निर्देश दिए, जिससे प्रदूषण नियंत्रण मानकों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

कलेक्टर ने श्रम विभाग को निर्देशित किया कि औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों को समय पर एवं नियमित वेतन भुगतान की जानकारी प्राप्त कर उसकी निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी औद्योगिक इकाइयों से सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु सीएसआर गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया।

बैठक में गेल इंडिया के माध्यम से जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में सहयोग प्रदान करने तथा मेघनगर क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों को नगर क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं जनहित से जुड़ी सीएसआर गतिविधियों में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया गया।

बैठक में सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र सुश्री पिंकी डिंडोर, संबंधित विभागों के अधिकारी, औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर खरडु बड़ी का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज आयुष्मान आरोग्य मंदिर खरडु बड़ी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में आमजन को प्रदान की जा रही विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध जांच सुविधाओं के संबंध में चर्चा करते हुए वहां किए जा रहे 17 प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षणों की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में संचालित जांच व्यवस्थाओं एवं उपचार सेवाओं का अवलोकन करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शुगर, ब्लड प्रेशर (बीपी), यूपीटीबी तथा टीबी सैंपल जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने हीमोग्लोबिन टेस्ट की व्यवस्था की भी जानकारी प्राप्त की तथा जांच कार्यों को नियमित एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि स्वास्थ्य केंद्र में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक की तैयारी के अंतर्गत आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में बेहतर साफ-सफाई, व्यवस्थित रंगाई-पुताई तथा आगामी वर्षा ऋतु में पौधारोपण किए जाने के निर्देश दिए, ताकि स्वास्थ्य केंद्र का वातावरण स्वच्छ एवं आकर्षक बनाया जा सके।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं पुलिस विभाग के समन्वय से जागरूकता शिविर सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं पुलिस विभाग के समन्वय से नालसा जागृति योजना, 2025 के अंतर्गत सुरक्षित बचपन सुरक्षित भविष्य शीर्षक के तहत पॉक्सो विषय पर 13 मई 2026 को एक दिवसीय जागरूकता शिविर एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ श्रीमती आशिता श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विशेष न्यायाधीश श्री प्रदीप सोनी ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री अमरजीत सिंह सीनियर ट्रेक्निकल एनालिस्टि यूनिसेफ भोपाल थे, जिन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत हुई, जिसमें पॉक्सो कानून की बारीकियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से बेहद सरल और सुगम शब्दों में समझाया गया ताकि सभी अधिकारी इसे व्यावहारिक रूप से लागू कर सकें।

कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश श्री प्रदीप सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि पॉक्सो अधिनियम का निर्माण बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने और उन्हें एक भयमुक्त वातावरण देने के लिए किया गया है। कानून अपनी जगह सशक्त है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम इसके प्रावधानों को कितनी संवेदनशीलता के साथ लागू करते हैं। जब भी कोई पीड़ित बच्चा हमारे सामने आता है, तो एक अधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि एक अभिभावक के रूप में हमारी संवेदनशीलता जागृत होनी चाहिए। कार्यवाही के दौरान बच्चे की पहचान गोपनीय रखना और उसे किसी भी प्रकार के मानसिक तनाव से बचाना हमारी कानूनी और नैतिक ड्यूटी है।

कलेक्टर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरडु बड़ी एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामा का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरडु बड़ी एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामा का निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय भवन, पेयजल, पहुंच मार्ग एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा कलेक्टर को अवगत कराया गया कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरडु बड़ी का नवीन भवन निर्माण पूर्ण कर जनजातीय कार्य विभाग को हैंडओवर कर दिया गया है। आगामी शैक्षणिक सत्र से विद्यालय का संचालन पुराने भवन के स्थान पर नवीन भवन में प्रारंभ किया जाएगा। विद्यालय में वर्तमान में लगभग 350 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

विद्यालय तक पहुंच मार्ग की समस्या के संबंध में जानकारी दी गई कि वर्षा ऋतु के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आवागमन में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस पर एसडीओ जनजातीय कार्य विभाग द्वारा बताया गया कि लगभग 1.2 किलोमीटर पहुंच मार्ग निर्माण का प्रस्ताव प्रेषित किया जा चुका है।

विद्यालय परिसर में पेयजल उपलब्धता नहीं होने एवं पूर्व में कराए गए नलकूप में पानी नहीं आने की जानकारी पर कलेक्टर ने वैकल्पिक स्थान पर कुआं एवं नवीन बोर करवाने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों एवं स्टाफ को पर्याप्त पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सके।

इस दौरान एसडीओ जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विद्यालय परिसर में बाउंड्री वॉल निर्माण हेतु प्रस्ताव प्रेषित किए जाने की जानकारी भी दी गई।

इसके पश्चात कलेक्टर ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा बताया गया कि विद्यालय तक लगभग 700 मीटर पहुंच मार्ग निर्माण, कल्वर्ट निर्माण, विद्युत सुविधा हेतु ट्रांसफार्मर स्थापना, बाउंड्री वॉल निर्माण एवं 10 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के प्रस्ताव शासन को भेजे गए हैं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन बनेगा टेक्सटाइल एक्सपोर्ट का नया हब

2030 तक 5 हजार करोड़ निर्यात का लक्ष्य- केंद्र की चैंपियन डिस्ट्रिक्ट सूची में शामिल होने के बाद बनी रणनीति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन अब टेक्सटाइल एक्सपोर्ट के बड़े केंद्र के रूप में अपनी नई पहचान बनाने की तैयारी में जुट गई है। केंद्र सरकार की टेक्सटाइल्स फॉर ग्लोबल मार्केट योजना के तहत उज्जैन को चैंपियन डिस्ट्रिक्ट घोषित किया गया है। इसी के तहत वर्ष 2030 तक जिले से करीब 5 हजार करोड़ रुपए के टेक्सटाइल निर्यात का लक्ष्य तय किया गया है। इसे लेकर बीते दिन कलेक्टोरेट सभागृह में डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट एक्शन प्लान की अहम बैठक आयोजित हुई।

बैठक की अध्यक्षता एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक राजेश राठौड़ ने की। इसमें जिला प्रशासन, उद्योग विभाग, टेक्सटाइल कारोबारियों और निर्यातकों ने भाग लेकर उज्जैन को राष्ट्रीय स्तर का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट हब बनाने पर मंथन किया। बैठक में जिले की मौजूदा निर्यात स्थिति, चुनौतियों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रेजेंटेशन में बताया गया कि भारत सरकार ने वर्ष 2030 तक देश के टेक्सटाइल निर्यात को 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसी कड़ी में देशभर के 100 चैंपियन और 100 आकांक्षी जिलों का चयन किया गया है, जिसमें उज्जैन को चैंपियन जिला घोषित किया गया है। अधिकारियों का मानना है कि यदि बुनियादी सुविधाओं और औद्योगिक ढांचे को मजबूती मिली तो उज्जैन आने वाले वर्षों में देश के प्रमुख टेक्सटाइल निर्यात केंद्रों में शामिल हो सकता है।एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक ने कहा कि टेक्सटाइल निर्यात बढ़ाने के लिए चरणबद्ध रणनीति तैयार की जाएगी। हर विभाग और संस्था की जिम्मेदारी तय होगी और अगले एक-दो वर्षों में जमीनी स्तर पर काम शुरू किया जाएगा।

टेक्सटाइल पार्क से मिलेगा उद्योग को बड़ा सहारा- बैठक में उज्जैन में बड़े टेक्सटाइल पार्क विकसित करने पर जोर दिया गया। उद्योग प्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि मल्टी-स्टोरी इंडस्ट्रियल मॉडल के जरिए एक ही परिसर में उत्पादन, पैकेजिंग, ट्रांसपोर्ट और सप्लाई चेन जैसी सुविधाएं विकसित की जाएं। इससे लागत कम होगी और निर्यात प्रक्रिया तेज हो सकेगी। इस प्रस्ताव पर एमपीआईडीसी ने गंभीरता से विचार करने की बात कही।

महिला कामगारों को बनाया जाएगा सेक्टर का चेहरा- बैठक में यह भी माना गया कि सामाजिक रूढ़ियों के कारण कई महिलाएं फैक्ट्रियों में काम करने से पीछे हटती हैं। ऐसे में महिला श्रमिकों को ब्रांड एंबेसडर बनाकर उनका आत्मविश्वास बढ़ाने और परिवारों को जागरूक करने की रणनीति बनाई गई। अधिकारियों का मानना है कि महिला सहभागिता बढ़ने से टेक्सटाइल सेक्टर को बड़ी ताकत मिलेगी।

एक्सपर्ट देंगे ट्रेनिंग, होंगे इंटरैक्टिव सेशन- स्थानीय उद्यमियों और नए कारोबारियों के लिए नियमित वर्कशॉप और इंटरैक्टिव सेशन आयोजित किए जाएंगे। इनमें निर्यात प्रक्रिया, वित्तीय सहायता, सर्टिफिकेशन, अंतरराष्ट्रीय बाजार और गुणवत्ता मानकों की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। उद्देश्य यह है कि स्थानीय उद्योग वैश्विक बाजार की मांग के अनुसार खुद को तैयार कर सके।

11 माह में 2070 करोड़ का निर्यात, 700 करोड़ सिर्फ टेक्सटाइल से

-पिछले 11 महीनों में उज्जैन से कुल निर्यात = 2070 करोड़ रुपए

-टेक्सटाइल और अपैरल सेक्टर की हिस्सेदारी = करीब 700 करोड़ रुपए

-जिले के कुल निर्यात में टेक्सटाइल सेक्टर की हिस्सेदारी = 30 प्रतिशत

सबसे ज्यादा इनका निर्यात....

-विस्कोस रेयान स्टेपल फाइबर = 372 करोड़

-अंडरगारमेंट्स = 139 करोड़

-कॉटन टी-शर्ट्स = 70 करोड़

-एफआईबीसी= 24 करोड़

-कच्चा कपास = 12 करोड़ रुपए

कहां सबसे ज्यादा मांग

-अमेरिका = करीब 50 प्रतिशत निर्यात

-अन्य प्रमुख बाजार = तुर्की, नेपाल, चीन और बांग्लादेश

महाकाल की भस्म आरती में पहुंचे भोजपुरी अभिनेता और यूपी के राज्य मंत्री

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार तडके आयोजित भस्म आरती में प्रसिद्ध भोजपुरी फिल्म अभिनेता प्रदीप पांडे चिंटू तथा उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। भोजपुरी अभिनेता प्रदीप पांडे चिंटू ने प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। आरती के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी भस्म आरती में शामिल हुए। दर्शन उपरांत मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। मंत्री श्री सिंह ने बाबा महाकाल से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

पारा पहुंचा 44.7 डिग्री पर.. बुधवार रहा इस साल का सबसे गर्म दिन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। कल साल में पहली बार पारा 44.7 डिग्री पर पहुंचा। इसके साथ ही बुधवार का दिन साल का सबसे गर्म दिन बन गया, वहीं कल दर्ज 44.7 डिग्री तापमान ने मई के अब तक के महीने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उज्जैन में बुधवार को दिन में इतनी तेज गर्मी थी कि बाहर निकलना मुश्किल था, वहीं सूरज ढलने के बाद भी हवाओं में गर्माहट बनी रही और रात तक गर्म हवाएं चलती रहीं। वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 44.7 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री और मंगलवार की अपेक्षा 0.3 डिग्री ज्यादा था, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री रहा जो सामान्य से 3 डिग्री और कल की अपेक्षा 2 डिग्री ज्यादा था। इस दौरान हवाओं की दिशा दक्षिण-पूर्वी रही और अधिकतम रफ्तार 8 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले कुछ दिन तापमान में बड़ी कमी आने की कोई उम्मीद नहीं है, इसलिए शहर को जूझना पड़ेगा। वाहन चालकों को सिग्नलों पर खड़ा रहना पड़ रहा भारी- 45 डिग्री के करीब तापमान आ गया है और शहर के प्रमुख चौराहों पर लगे ट्रैफिक सिग्नल की कई जगह टाईमिंग 90 सैकेंड तक की है। ऐसे में ग्रीन सिग्नल के इंतजार में लोगों को कड़ी धूप में 1 से डेढ़ मिनट तक खड़े रहना भारी पड़ रहा है। दोपहर में हालत यह है कि सडक़ों से गुजरना ऐसा प्रतीत हो रहा है मानों चारों और भट्टियां जल रही हो।

बदबू आने पर मकान से मिली तीन दिन पुरानी लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार सुबह ईदगाह मार्ग पर गंगानगर में बंद मकान से एक युवक की लाश बरामद की गई है। बदबू आने पर मकान में किराए से रहने वाले युवकों ने पुलिस को सूचना दी थी। आशंका जताई जा रही है कि अधिक शराब पीने से युवक की मौत हुई है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के गंगानगर में मोहनलाल ठाकुर का मकान बना हुआ है जिनका एक मकान श्री कृष्णा कॉलोनी में भी है। मोहनलाल का पुत्र रामसिंह शराब पीने का आदी है आज दिन वह श्री कृष्णा कॉलोनी स्थित मकान पर पहुंच माता-पिता से विवाद करता था जिसके चलते माता-पिता ने उसे गंगानगर स्थित मकान में की ऊपरी मंजिल पर एक कमरा बनाकर शिफ्ट कर दिया था नीचे किराएदार रहते है। पिछले तीन-चार दिनों से राम सिंह दिखाई नहीं दिया था और उसके कमरे का दरवाजा भी बंद था। बुधवार सुबह गंगानगर मकान में रहने वाले किराएदारों को बदबू महसूस हुई तो उन्होंने राम सिंह के परिजनों और पुलिस को सूचना दी। गंगानगर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा तो राम सिंह की लाश पड़ी दिखाई दी। आशंका जताई जा रही है कि अधिक शराब पीने से राम सिंह की मौत हुई है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है।

चार दिन से बंद कोठी रोड स्विमिंग पूल, पानी इतना डार्क कि तैराकों को कुछ नहीं दिखाई दे रहा

विजिबिलिटी टेस्ट में बार-बार फेल हो रहा पूल- अब टाइमिंग घटाने की तैयारी, ताकि क्लीनिंग को मिले ज्यादा वक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी में राहत देने वाला कोठी रोड स्विमिंग पूल पिछले चार दिनों से बंद पड़ा है। हालत यह है कि पानी इतना डार्क हो गया कि तैराकों को डुबकी लगाने पर नीचे कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। शिकायतें बढ़ीं तो निगम ने शनिवार रात से पूल बंद कर सफाई और पानी बदलने का काम शुरू किया, लेकिन अब तक स्थिति सामान्य नहीं हो सकी है।

मंगलवार सुबह पूल खुलने की उम्मीद में तैराक पहुंच भी गए थे, लेकिन गेट नहीं खुले। बुधवार को भी पूल बंद रहा। अब गुरुवार को भी इसके शुरू होने की संभावना कम मानी जा रही है, क्योंकि पानी की विजिबिलिटी अभी तक तय मानक पर नहीं पहुंच पाई है।

जोन-4 प्रभारी जितेंद्रपाल सिंह के मुताबिक पानी बदलने और क्लीनिंग के बाद अब तक चार बार टेस्ट किए जा चुके हैं, लेकिन पानी अब भी डार्क नजर आ रहा है। उनका कहना है कि पूल लगातार लंबे समय तक खुला रहने से फिल्ट्रेशन और क्लीनिंग सिस्टम को पूरा समय नहीं मिल पा रहा।

12 घंटे की शिफ्ट बनी परेशानी - फिलहाल पूल सुबह 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक और फिर दोपहर 3 बजे से रात 10 बजे तक संचालित हो रहा है। यानी दोनों शिफ्ट के बीच सफाई के लिए सिर्फ दो घंटे का समय मिल रहा है, जबकि बेहतर क्लीनिंग के लिए कम से कम चार घंटे जरूरी बताए जा रहे हैं। इसी वजह से अब पूल की टाइमिंग घटाने पर विचार शुरू हो गया है। प्रस्ताव के मुताबिक पहली शिफ्ट में आधा घंटा और दूसरी शिफ्ट में करीब डेढ़ घंटा कम किया जा सकता है, ताकि मशीनों और फिल्ट्रेशन सिस्टम को पर्याप्त समय मिल सके। निगम प्रशासन इस प्रस्ताव को मंजूरी दिलाने की तैयारी में जुट गया है।

86 लाख का झांसा देखकर होटल कर्मचारी से ठगे 3.25 लाख

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 786 नम्बर के नोट पर लाखों रूपये मिलने के झांसे में फंसे होटल कर्मचारी ने 3.25 लाख रूपये गवा दिये। ठगी के बाद आनलाइन शिकायत की गई। पुलिस ने अब मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। नानाखेड़ा थाना प्रभारी नरेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि होटल रूद्राक्ष में मोहन पिता लीलप्रसाद श्रेष्ठा निवासी अघाखंची छतरदेव गाबीसा 05 लुम्बनी नेपाल कर्मचारी है। उसने 786 नम्बर के नोट का कलेक्शन करने का शौक है। उनके पास 500 के दो और 100 का नोट इसी नम्बर की सीरिज का है। जनवरी-फरवरी माह के बीच उन्होने सोशल मीडिया पर आने वाले उक्त नम्बरों के नोट के बदले लाखों रूपये मिलने का विज्ञापन देखा था। जिसके आधार पर उसने संपर्क किया और जानकारी ली तो तीनों नोट के बदले 86 लख रुपए देने की बात कही गई जिसके झांसे में फंसकर उन्होने अपने पास मौजूद नम्बरों के नोट का फोटो संबंधित विज्ञापन प्रसारित करने वाले को भेजे। उन्हे झांसे में लेकर रजिस्टे:शन की बात कहीं गई और अलग-अलग नाम पर 3.25 लाख रूपयों का आनलाइन ट्रांजेक्शन करा लिया गया। लेकिन 786 नम्बर के नोटों के बदले उन्हे कुछ नही दिया गया। अपने साथ ठगी होने पर उन्होने आनलाइन शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी के अनुसार 3 माह बाद शिकायत का निराकरण नहीं होने पर मामला पुलिस के पास पहुंचा। जिसके चलते मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। आनलाइन हुये ट्रांजेक्शन की जानकारी बैंक के माध्यम से प्राप्त की जा रही है। उसके बाद आगे की विवेचना शुरू की जायेगी।

पीएम-सीएम की अपील का असर... लग्जरी गाड़ियां छोड़ एक बस में निकले अफसर

15 अधिकारी रोज 15 गाड़ियों से पहुंचते थे घाट क्षेत्र, अब ट्रैवलर बस से होगा दौरा; 6750 रुपए के ईंधन खर्च की जगह 250 रुपए में पूरा सफर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की ईंधन बचत की अपील का असर अब उज्जैन के प्रशासनिक अमले में भी दिखाई देने लगा है। सिंहस्थ की तैयारियों के बीच जिला प्रशासन ने सरकारी खर्च और ईंधन की बचत के लिए नई पहल शुरू की है। अब अलग-अलग लग्जरी वाहनों के लंबे काफिले की बजाय अधिकारी एक ही ट्रैवलर बस में बैठकर निरीक्षण के लिए पहुंच रहे हैं।

बुधवार सुबह सिंहस्थ कार्यों के निरीक्षण के दौरान पहली बार प्रशासनिक अमला एक साथ अर्बेनिया ट्रैवलर वाहन में रवाना हुआ। इसमें संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्र, यूडीए सीईओ संदीप सोनी, तहसीलदार आलोक चोरे, जल संसाधन विभाग के ईई मयंक सिंह, योगेश बिरला, अवनेंद्र सिंह, ट्रैफिक डीएसपी दिलीप सिंह परिहार सहित करीब 15 अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारी सिंहस्थ मेले के लिए तैयार किए जा रहे 29 किलोमीटर लंबे घाट क्षेत्र के निरीक्षण पर निकले।

रोज बनता था अफसरों की गाड़ियों का काफिला- पिछले एक सप्ताह से सिंहस्थ कार्यों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। अब तक हर विभाग के अधिकारी अपनी-अपनी गाड़ियों से अलग-अलग पहुंचते थे। इसमें इनोवा और अन्य एसयूवी शामिल थीं। रोज करीब 15 वाहन घाट क्षेत्र तक पहुंचते थे। अधिकारियों को पहले अपने बंगले से घाट तक आना पड़ता था और फिर निरीक्षण क्षेत्र में भ्रमण करना होता था। इस दौरान औसतन 16 किलोमीटर से ज्यादा सफर तय होता था।

वाहनों के एसी लगातार चालू रहने और कम एवरेज के कारण प्रतिदिन बड़ी मात्रा में पेट्रोल-डीजल खर्च हो रहा था। अनुमान के मुताबिक हर वाहन में करीब चार लीटर ईंधन खर्च होता था। इस हिसाब से 15 गाड़ियों पर रोज लगभग 6750 रुपए खर्च हो रहे थे।

अब 250 रुपए में पूरा हो रहा दौरा- बुधवार से शुरू हुई नई व्यवस्था में सभी अधिकारी एक ही ट्रैवलर बस में बैठकर निरीक्षण के लिए पहुंचे। पहले दिन बस ने करीब 12 किलोमीटर का सफर तय किया, जिसमें महज ढाई लीटर डीजल खर्च हुआ। यानी कुल ईंधन खर्च 250 रुपए से भी कम रहा। हालांकि प्रशासन ने ट्रैवलर बस 4100 रुपए प्रतिदिन किराए पर ली है, लेकिन इसके बावजूद अलग-अलग गाड़ियों की तुलना में खर्च और ईंधन की खपत में बड़ी कमी आई है।

रोज सुबह 6 बजे से शुरू हो रहा निरीक्षण- सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने प्रशासनिक टीम लगातार फील्ड में सक्रिय है। रोज सुबह 6 बजे अधिकारी घाटों से जुड़ने वाले प्रस्तावित एप्रोच रोड और निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। करीब 6 किलोमीटर क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर अफसर व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं और मौके पर ही दिशा-निर्देश भी दे रहे हैं।

ट्रैफिक और टीम वर्क दोनों में मिलेगा फायदा- संभागायुक्त एवं मेला अधिकारी आशीष सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप यह बदलाव किया गया है। पहले अलग-अलग विभागों के अधिकारी अपनी गाड़ियों से आते थे, जिससे ईंधन और सरकारी धन दोनों का अनावश्यक खर्च होता था। अब एक साथ यात्रा करने से टीम भावना भी मजबूत होगी और संसाधनों की बचत भी होगी। वहीं ने कहा कि पहले अधिकारियों की गाड़ियों का लंबा काफिला निकलने से ट्रैफिक पर भी असर पड़ता था। अब एक ही बस से भ्रमण होने पर जाम की स्थिति कम बनेगी और प्रशासनिक समन्वय भी बेहतर होगा।

प्राइवेट बैंक में काम करने वाले युवक ने किया सुसाइड

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राइवेट बैंक में होम लोन का काम करने वाला युवक रात 10 बजे तक घर नहीं पहुंचा तो पिता अपने भाई के साथ उसकी तलाश में निकले युवक रास्ते में मृत पड़ा मिला। डॉक्टर ने जहरीला पदार्थ खाने की बात कही है। नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम बाढ़ कुमेद में रहने वाला आशीष पिता ताराचंद विश्वकर्मा 22 साल एचडीएफसी बैंक में होम लोन का काम करता था और प्रतिदिन नरवर से उज्जैन अपडाउन करता था। रात में वह 8 बजे तक घर पहुंच जाता था। सोमवार को रात 10 बजे तक घर नहीं पहुंचा तो पिता ने उसके मोबाइल पर कॉल किया लेकिन स्विच ऑफ आ रहा था। पिता ने शंकरपुर में रहने वाले अपने भाई दिनेश से जानकारी ली और आशीष के आने की बात कही तो दिनेश ने मना कर दिया। दोनों भाई आशीष की तलाश में घर से निकले इस दौरान आशीष बाढ़ कुमेद और उज्जैन के बीच रास्ते में पडा दिखाई दिया, उसकी बाइक भी मौके पर पड़ी थी पिता और बड़े पापा उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान रात 2 बजे आशीष की मौत हो गई। डॉक्टर ने जहरीला पदार्थ खाने की बात परिजनों को बताई है। पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि आशीष को कोई परेशानी नहीं थी और परिवार का एकलौता पुत्र था। उसका विवाह भी नहीं हुआ था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है बैंक से जुड़े साथियों से पूछताछ कर आशीष के मोबाइल की जांच की जाएगी।

जिले में ज्ञान भारतम प्रकल्प अंतर्गत प्राचीन भारत की पाण्डुलिपि विरासत के संरक्षण, संकलन एवं शोध का कार्य जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्मार्ट सिटी सीईओ श्री संदीप शिवा ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर प्राचीन भारतीय संस्कृति की रक्षा एवं संवर्धन के लिए संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ज्ञान भारतम प्रकल्प प्रारंभ किया गया है। ज्ञान भारतम प्राचीन भारत की पाण्डुलिपियों की विरासत को बचाने का एक राष्ट्रीय प्रकल्प है, जिसके अंतर्गत पांडुलिपियों के संरक्षण, संकलन एवं शोध का कार्य किया जाना है। उक्त कार्य के लिए सिंधिया प्राच्य विद्या शोध प्रतिष्ठान को स्वतंत्र इकाई बनाया गया है।

ज्ञान भारतम अंतर्गत प्रदेश में चार संस्थाएं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग एएसआई भोपाल/जबलपुर, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय समिति (भोपाल), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, राष्ट्रीय अभिलेखागार (भोपाल) कार्य कर रहीं है। सिंधिया प्राच्य विद्या शोध प्रतिष्ठान में 20,000 पाण्डुलिपियां है।

इनके डिजिटलीकरण की प्रक्रिया के लिए मेल भेजा जा चुका है। जिला स्तर पर एएसआई द्वारा नामित किए गए सर्वेक्षण अधिकारी ने प्राथमिक स्तर पर कार्य प्रारंभ कर दिया है।

भाई और मामा के हिरासत में आने पर मिली नाबालिग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पानबिहार चौकी क्षेत्र से 6 माह पहले लापता हुई नाबालिग को पुलिस ने उज्जैन से दस्तयाब कर लिया। नाबालिग के लापता होने पर परिजनों ने दीपक मालवीय पर बहला-फुसला कर ले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने अपहरण का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की थी। 3 दिन पहले पता चला था कि नाबालिग को ले जाने वाले दीपक मालवीय की मदद उसका भाई संदीप मालवीय और मामा सोनू कर रहा है। चौकी प्रभारी जयंत डामोर ने बताया कि संदीप और सोनू को हिरासत में लेकर उन्हे आरोपी बनाया गया और पूछताछ के लिये अपहरण के मामले में जेल भेज दिया था। जिसके बाद दीपक मालवीय नाबालिग को लेकर उज्जैन नानाखेड़ा पहुंचा था। जिसकी जानकारी मिलने पर टीम रवाना की गई। नाबालिग को छोड़ दीपक मालवीय भाग निकला था। नानाखेड़ा बस स्टेंड से नाबालिग को दस्तयाब कर चौकी लाया गया। जहां बयान दर्ज करने पर दीपक मालवीय को अपहरण के साथ नाबालिग के साथ गलत काम करने का आरोपी बनाया गया है। नाबालिग के अनुसार दीपक उसे झांसा देकर ले गया था और भोपाल-इंदौर में किराये के मकान रखा। चौकी प्रभारी के अनुसार नाबालिग को परिजनों के सुपुर्द किया गया है। मुख्य आरोपी की तलाश जारी है।

आयुष विभाग द्वारा हर घर योग, हर व्यक्ति निरोग'' कार्यक्रम के अंतर्गत योग प्रशिक्षण सत्र का आयोजन 20 जून तक किया जाएगा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष विभाग के निर्देशानुसार 12 वें योग दिवस के व्यापक आयोजन के लिए सम्पूर्ण प्रदेश की आयुष संस्थाओं में योग प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिला आयुष अधिकारी डॉ. मनीषा पाठक के निर्देशन में शासकीय आयुर्वेद औषधालय भैरवगढ़ में 12 मई से 20 जून तक हर घर योग, हर व्यक्ति निरोग थीम पर योग प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य जन सामान्य को नित्य योग से जोड़कर स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना है।

शासकीय आयुर्वेद औषधालय भैरवगढ़ में ''हर घर योग, हर व्यक्ति निरोग'' कार्यक्रम के अंतर्गत योग सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्वेता गुजराती (एम.डी.) द्वारा सभी को योग के विभिन्न आसन, प्राणायाम एवं ध्यान के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही योग को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके लिए आप अपने नजदीकी आयुष औषधालय में जा सकते हैं अथवा घर से ही यू-ट्यूब की लिंक से जुड़कर योगाभ्यास कर सकते हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर भैरवगढ़ की टीम तथा सभी आंगनवाड़ी केंद्र अपने-अपने क्षेत्र में नागरिकों को योग से जोड़ने का कार्य करेंगे जिससे क्षेत्र को आदर्श योग क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके।

इस अवसर पर डॉ. तरुणा तिवारी, सामुदायिक चिकित्सा अधिकारी, श्रीमती संगीता भाटी, कम्पाउंडर, श्रीमती नवदुर्गा चौधरी, श्रीमती रेखा चौहान, श्रीमती ममता मालवीय, श्रीमती ममता परमार, श्रीमती राजश्री मालवीय आदि उपस्थित रहे।

44 डिग्री तापमान में में समर्थन मूल्य केंद्रों पर किसान परेशान

तुलाई के लिए 2-3 दिन इंतजार - ट्रॉली के नीचे सोकर काट रहे रात - किसानों ने उठाई रात में खरीदी शुरू करने की मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। एक तरफ तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच चुका है, वहीं दूसरी ओर किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए 2 से 3 दिन तक केंद्रों पर इंतजार करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे हैं।

बुधवार सुबह कानीपुरा स्थित मारुति वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन केंद्र पर पड़ताल में अव्यवस्थाएं खुलकर सामने आईं। यहां 200 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियां लाइन में खड़ी मिलीं। किसानों का कहना है कि तुलाई की रफ्तार बेहद धीमी है। एक ट्रॉली तौलने के बाद काफी देर तक काम बंद जैसा हाल रहता है, जिससे लाइन आगे नहीं बढ़ पा रही।

किसानों ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा कांटे और व्यवस्थाएं बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन धरातल पर उसका असर दिखाई नहीं दे रहा। कई खरीदी केंद्रों पर वेयरहाउस भर चुके हैं, जिसके कारण खरीदी भी प्रभावित हो रही है। मजबूरी में किसान मंडियों का रुख कर रहे हैं, लेकिन वहां भी हालात बेहतर नहीं हैं। मंडियों में भी माल रखने की जगह कम पड़ रही है और एक ही कांटे के कारण लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि प्रशासन को रात में भी तुलाई शुरू करनी चाहिए, ताकि दिन की भीषण गर्मी से राहत मिल सके और खरीदी प्रक्रिया तेज हो। उनका आरोप है कि अधिकारी केवल कागजों में व्यवस्थाएं दिखा रहे हैं, जबकि वास्तविक स्थिति केंद्रों पर जाकर देखने की जरूरत है।

सबसे ज्यादा परेशानी किसानों के बैठने और रुकने की व्यवस्था को लेकर सामने आई। भारी गर्मी के बीच केवल छोटे-छोटे टेंट लगाए गए हैं, जिनमें सीमित लोग ही बैठ सकते हैं। कई किसान ट्रॉली के नीचे या खुले में बैठकर समय काटने को मजबूर हैं। किसानों का कहना है कि खरीदी केंद्रों पर कर्मचारी और अन्य लोग कूलर में बैठे रहते हैं, जबकि किसान खुले आसमान के नीचे गर्मी से जूझ रहे हैं। समर्थन मूल्य खरीदी में बढ़ती भीड़ और धीमी व्यवस्था के कारण किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। अब प्रशासन के सामने चुनौती खरीदी व्यवस्था को तेज और व्यवस्थित करने की है, ताकि किसानों को राहत मिल सके।